राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार ,09 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–228 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से हुई सभी मौतों की वजह मेडिकल लापरवाही नहीं; SC ने मुआवजे पर आदेश से किया इनकार

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर में हुई मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है औरर कहा कि दूसरी लहर में कोरोना से हुई सभी मौत की वजह मेडिकल लापरवाही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अदालतें यह मानकर नहीं चल सकतीं कि वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 से हुई सभी मौतें लापरवाही के कारण हुईं। न्यायालय ने मृतकों के परिजन को चिकित्सकीय लापरवाही मानकर मुआवजे का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने याचिकाकर्ता दीपक राज सिंह से कहा कि वह अपने सुझावों के साथ सक्षम प्राधिकारियों के पास जाएं। सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि यह मानना कि कोविड-19 से हर मौत लापरवाही के कारण हुई, बहुत ज्यादा है। दूसरी लहर का पूरे देश में ऐसा प्रभाव पड़ा कि यह नहीं माना जा सकता कि सभी मौतें लापरवाही के कारण हुईं। अदालतें यह मानकर नहीं चल सकतीं कि कोविड से हुई सभी मौतें चिकित्सकीय लापरवाही के कारण हुईं, जैसा आपकी याचिका मानती है। शीर्ष अदालत ने 30 जून के एक हालिया फैसले का हवाला दिया, जिसमें उसने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों के परिवार के सदस्यों को अनुग्रह सहायता राशि के लिए छह सप्ताह के भीतर उचित दिशा-निर्देशों की अनुशंसा का निर्देश दिया था। इसने कहा कि उस फैसले में अदालत ने मानवता के संबंध में अपना दृष्टिकोण रखा था न कि लापरवाही के कारण। सरकार को अब भी इस संबंध में एक नीति लानी है। यदि आपके पास उस नीति के कार्यान्वयन के संबंध में कोई सुझाव है, तो आप सक्षम प्राधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

पीएम मोदी का सख्त निर्देश

चुनावी राज्यों की परियोजनाओं को समय पर किया जाए पूरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मंत्रियों को संबंधित राज्यों की परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने खासतौर पर उत्तर प्रदेश में पूरी ताकत झोंकने का साफ संदेश दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक पीएम ने इसी हफ्ते चुनावी राज्यों से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा के बाद इस आशय का निर्देश जारी किया। पीएम अगले महीने एक बार फिर से चुनावी राज्यों से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सियासी नुकसान की आशंकाओं के बीच पीएम मोदी 14 अगस्त को जाट राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे। अगले साल की शुरुआत में

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में से पीएम का मुख्य फोकस उत्तर प्रदेश होगा। दरअसल, कृषि कानून के खिलाफ जारी आंदोलन में जाट बिरादरी की अग्रणी भूमिका के कारण भाजपा के लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश में असहज स्थिति है।

विवि के बहाने असंतुष्टों को साधने की कोशिश

हाथरस में मुरसान सियासत के जाट राजा महेंद्र प्रताप सिंह की शख्सियत भाजपा की रणनीति से मेल खाती है। साल 2015 में अफगानिस्तान में भारत का अंतरिम सरकार बनाने वाले राजा सिंह ने साल 2030 में महात्मा गांधी को मोहम्मद अली जिन्ना के प्रति आगाह किया था। तब गांधी को लिखे पत्र में राजा ने जिन्ना को जहरीला सांप बताते हुए उन्हें गले न लगाने की हिदायत दी थी। बाद में उन्होंने अफगानिस्तान में ही

▸▸ अलीगढ़ में जाट राजा महेंद्र सिंह विवि का करेंगे शिलान्यास, यूपी में सारी ताकत झोंकने का दिया संदेश

▸▸ पीएम अगले महीने एक बार फिर से चुनावी राज्यों से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे

आजाद हिंद फौज की गतिविधियां शुरू कराई थी। गौरतलब है कि किसान आंदोलन के जरिए पश्चिम उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से जाट और मुस्लिम बिरादरी को एक साथ लाने की सियासी मुहिम चल रही है। ऐसे में इसे असंतुष्टों को साधने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

विवि का निर्माणकार्य 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य

विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए 37 हेक्टेयर सरकारी भूमि प्रस्तावित करने के साथ 10 हेक्टेयर भूमि अलीगढ़ के लोढ़ा तहसील में अधिग्रहित की गई है। इस विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य साल 2022 में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सीएम योगी ने साल 2019 में जाट राजा के नाम पर विश्वविद्यालय की घोषणा की थी।

बप्पा को घर लाने की तैयारी, महाराष्ट्र सरकार ने जारी की एसओपी

मुंबई। गणेश चतुर्थी के अब बस दो ही दिन बचे हैं, मुंबई अपने पसंदीदा गणेश देवता के आगमन के लिए अंतिम समय में तैयारी कर रहा है। इस साल दूसरी बार कोरोना महामारी के बीच गणेशोत्सव मनाया जाएगा, लेकिन कोरोना होने के बावजूद लोगों में इस उत्सव का जरा सा भी रोमांच कम नहीं हुआ है। बाजारों में भीड़ है, खरीदार जमकर सामान खरीद रहे हैं। पंडाल आयोजक अपनी-अपनी झांकियों को अंतिम रूप दे रहे हैं, हालांकि सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस में तीसरी लहर के खतरे के बीच कोविड नियमों के तहत लगाए गए प्रतिबंधों के कारण किलोमीटर लंबी कतार नहीं देखेंगे। इस वर्ष अनुमति लेने वाले मंडलों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है, यह अभी भी पिछले कोरोना वर्षों की तुलना में काफी कम है। गणेशोत्सव के लिए अपने नए दिशा-निर्देशों में बीएमसी ने ऑफलाइन दर्शन, विसर्जन जुलूसों को प्रतिबंधित कर दिया है। इसने उन्हें विज्ञापन देकर बड़ी राहत दी है जो पिछले साल ऐसा नहीं था। साथ ही प्रसिद्ध मंडलों को समुद्र के किनारे गणपति की मूर्तियों को विसर्जित करने की अनुमति दी गई है। प्रतिमा के विसर्जन के लिए केवल 10 स्वयंसेवकों को साथ जाने की अनुमति होगी। समुद्र के किनारे, मूर्ति को बीएमसी और गैर सरकारी संगठनों के स्वयंसेवकों को सौंप दिया जाएगा जो फिर मूर्ति को समुद्र में विसर्जित कर देंगे। केवल मंडल स्वयंसेवकों को समुद्र के किनारे अनुमति दी जाएगी, भक्तों को नहीं। बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समवाय समिति के अध्यक्ष नरेश दहीभाकर ने कहा कि हमें खुशी है कि बीएमसी ने मूर्तियों को समुद्र में विसर्जित करने की हमारी मांग को स्वीकार कर लिया है। बीएमसी ने भक्तों और घर में त्योहार मनाने वालों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 10 सितंबर को त्योहार शुरू होने के बाद, मंडलों को नगर निकाय द्वारा जारी सख्त एसओपी का पालन करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर क्यों कहा- निर्णय लिखना कला है

नई दिल्ली। निर्णय लिखना एक कला है, जिसमें कानून और तर्क का कुशल समावेश होता है। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए मंगलवार को कहा कि किसी तार्किक नतीजे तक पहुंचने को लेकर तथ्यों का पता लगाने के लिए न्यायिक निर्णय सुसंगत, व्यवस्थित होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने हत्या मामले में आरोपियों को जमानत दिए जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज करते हुए कहा कि न्यायिक राय इस तरह से लिखी जानी चाहिए कि यह स्पष्ट हो और इस तथ्य को साबित करे कि फैसला सही है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कहा कि प्रत्येक फैसले में चार बुनियादी तत्व होते हैं, सामग्री (प्रासंगिक) तथ्यों का बयान, कानूनी मुद्दे या प्रश्न, निर्णय पर पहुंचने के लिए विचार-विमर्श और निर्णायक फैसला। पीठ ने कहा कि निर्णय सुसंगत, स्पष्ट और तार्किक रूप से व्यवस्थित होना चाहिए। यह पाठक को कानूनी सिद्धांतों के आधार पर एक तार्किक निष्कर्ष पर तथ्य का पता लगाने में सक्षम बनाने वाला होना चाहिए। किसी निर्णय को पढ़ने की कला को पूरी तरह से समझने के लिए निर्णय में महत्वपूर्ण तत्वों की जांच करना उचित है। शीर्ष

अदालत ने कहा कि निर्णय का अर्थ न्यायिक राय से है जो मामले की कहानी बताता है कि मामला क्या है, अदालत कैसे मामले को सुलझा रही है और क्यों। पीठ ने इस बात पर सहमति जताई कि न्यायाधीशों पर लंबित मामलों का बोझ हो सकता है, लेकिन मात्रा के लिए गुणवत्ता का त्याग कभी नहीं किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने ये टिप्पणियां उत्तर प्रदेश निवासी शकुंतला शुक्ला द्वारा हत्या के एक मामले में पांच आरोपियों को जमानत देने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर फैसला सुनाते हुए की। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में तर्कों पर स्पष्टता का अभाव है कि आदेश का कौन सा हिस्सा तर्क को प्रस्तुत कर रहा है, आदेश का कौन सा हिस्सा तार्किक है। शीर्ष अदालत ने कहा, अंतिम राहत पर स्पष्टता होनी चाहिए। मुकदमे के एक पक्ष को पता होना चाहिए कि अंतिम राहत के माध्यम से उसे वास्तव में क्या मिला है। उपरोक्त पहलुओं को निर्णय लिखते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए, जिससे अपीली अदालतों का बोझ कम हो जाएगा। पीठ ने कहा, हमारे सामने कई ऐसे फैसले आए हैं जिनमें तथ्यों, तर्कों और निष्कर्षों पर स्पष्टता का अभाव है और कई बार यह समझना बहुत मुश्किल होता है कि न्यायाधीश फैसले के माध्यम से क्या बताना चाहते हैं और इस वजह से मामलों को नए सिरे से विचार करना पड़ता है। पीठ ने कहा कि इसलिए यह वांछनीय है कि निर्णय में तथ्यों और निष्कर्षों के संबंध में स्पष्टता होनी चाहिए।

पीएनबी घोटाला–नीरव मोदी के जीजा मयंक मेहता के खिलाफ सभी गैर जमानती वारंट रद्द

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में विशेष अदालत ने सरकारी गवाह बनने के कारण भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी के जीजा मयंक मेहता के खिलाफ जारी सभी गैर जमानती वारंट रद्द कर दिए। अदालत के सामने मंगलवार को मयंक के पेश होने के बाद ये वारंट रद्द किए गए हैं। अदालत ने अब मयंक मेहता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ सहयोग करने और देश छोड़ने से पहले एजेंसी को जानकारी देने के लिए भी कहा है। इस साल की शुरुआत में, बेल्जियम की नागरिक नीरव मोदी की बहन पूरबी मोदी और ब्रिटिश नागरिक उसके जीजा मयंक मेहता ने

जांच में सहयोग करने करने के लिए सरकारी गवाह बनने की पेशकश की थी। दोनों ने कुल 579 करोड़ की संपत्ति को जब्त करने में ईडी की मदद की। इनमें न्यूयॉर्क में दो फ्लैट और मुंबई और लंदन में एक-एक फ्लैट के अलावा दो स्विस बैंक अकाउंट और एक मुंबई के बैंक के खाते थे।

हो गया कन्फर्म; भवानीपुर सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी कांग्रेस, अधीर रंजन ने लिया यूटर्न

कोलकाता। पश्चिम बंगाल उपचुनाव में कांग्रेस भवानीपुर विधानसभा सीट से ममता बनर्जी के खिलाफ उम्मीदवार उतारेगी या नहीं, इस पर जारी सस्पेंस अब खत्म हो गया है। भवानीपुर उपचुनाव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारने का वादा करने के एक दिन बाद कांग्रेस ने मंगलवार को अपने रुख पर यू-टर्न ले लिया और कहा कि पार्टी तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के खिलाफ किसी को खड़ा नहीं करेगी। इसकी पुष्टि खुद राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने की, जिन्होंने बीते दिनों बयान देकर कांग्रेस की मुसीबत बढ़ा दी थी। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने बहरामपुर में संवाददाताओं से कहा कि एआईसीसी के निर्देश के अनुसार, कांग्रेस 30 सितंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले न तो बनर्जी के खिलाफ कोई उम्मीदवार उतारेगी और न ही उनके खिलाफ प्रचार करेगी। बता दें कि अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा था कि कांग्रेस भबनीपुर में बनर्जी के खिलाफ उम्मीदवार उतारेगी, उनका दावा था कि पीसीसी के अधिकांश सदस्य इस तरह के फैसले के पक्ष में हैं। कुछ माह पहले हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपना खाता तक नहीं खोल पाई थी। एआईसीसी के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा नेता सुजान चक्रवर्ती ने कहा कि हम एक उम्मीदवार को मैदान में उतारेंगे क्योंकि टीएमसी और भाजपा के खिलाफ एक विकल्प की जरूरत है। हम कांग्रेस को अपना फैसला बदलने के लिए नहीं कह सकते। बता दें कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की तीन सीटों पर उपचुनाव कराने का फैसला लिया है, जिनमें भवानीपुर के अलावा जंगीपुर और शमशेरगंज शामिल है। 30 सितंबर को वोटिंग होगी और 3 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। ममता के खिलाफ कैंडिडेट न उतारने का फैसला कांग्रेस के लिए इसलिए भी अहम है, क्योंकि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर सभी दलों से एकजुट होने की अपील कर रही हैं। बीस अगस्त को विपक्षी नेताओं के साथ बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि इस वक्त विपक्षी दलों की एकजुटता राष्ट्रहित की मांग है। इसके बाद ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ने का कोई मतलब नहीं है।

● राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने बहरामपुर में संवाददाताओं से कहा कि एआईसीसी के निर्देश के अनुसार, कांग्रेस 30 सितंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले न तो बनर्जी के खिलाफ कोई उम्मीदवार उतारेगी और न ही उनके खिलाफ प्रचार करेगी।

कोरोना वायरस

विशेषज्ञों ने कहा- कोई नया वैरिएंट नहीं आया, तो तीसरी लहर भी देश में नहीं आएगी

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर नियंत्रण में है, लेकिन तीसरी का खतरा लगातार बना हुआ है। तीसरी लहर की संभावनाओं के बीच प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोरोना का अब कोई नया वैरिएंट नहीं आया, तो तीसरी लहर भी देश में नहीं आएगी। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत के तीसरी लहर की चपेट में आने की संभावना अब कम है। और उपलब्ध आंकड़ों में एक बड़ी गिरावट कम से कम अभी के लिए इस संभावना को पुष्ट करता है। यह संभावना उन विशेषज्ञों ने जताई है जिन्होंने भारत में कोविड-19 की प्रगति को ट्रैक करने वाला सूत्र (स्ुत्र) मॉडल दिया है। इस साल की शुरुआत में डेल्टा के कहर के बाद देश में अब तक नए कोरोना वायरस के किसी नए वैरिएंट का सामना नहीं हुआ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एक लहर तब आती है, जब एक संक्रामक बीमारी में भारी उछाल होता है। भारत ने अब तक दो लहरों का सामना किया है पहली अगस्त से सितंबर 2020 में और दूसरी इस साल मार्च में शुरू हुई। आईआईटी, कानपुर के प्रोफेसर मणिंद्र अग्रवाल के अनुसार, अगर कोई तेजी से फैलने वाला म्यूटेंट नहीं आता है, तो तीसरी लहर भी देश में नहीं आनी चाहिए। प्रो. अग्रवाल और दो अन्य विशेषज्ञों ने भारत में कोविड-19 की प्रगति को ट्रैक करने वाले ससेप्टिबल, अनडिटेक्टेड, टेस्टेड (पॉजिटिव) एंड रिमूव्ड एप्रोच यानी सूत्र मॉडल को लिखा है।

कोरोना की तीसरी लहर को टाला जा सकता है?

अग्रवाल कहते हैं कि अगर कोई नया वैरिएंट नहीं आया तो तीसरी लहर नहीं आएगी। अगर डेल्टा वैरिएंट ही रहा और कोई नया वैरिएंट नहीं आया तो समझिए हम कोरोना के खिलाफ यह लड़ाई जीत रहे हैं। वहीं केरल के बिगड़े हालात पर उन्होंने कहा कि देश ने कोरोना पर लगभग काबू पा लिया है, केरल में काबू पाते ही देश में काबू पाया जा सकेगा। अगले एक महीने में केरल में भी मामले काबू में आ जाएंगे।

तेज टीकाकरण से सुधरी स्थिति

अब अभी के लिए कोरोना के मामले फिर जरूर बढ़ रहे हैं, लेकिन आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल मानते हैं कि स्थिति कंट्रोल में है। उनकी नजरों में देश में टीकाकरण तेज गति से हो रहा है और उस टीकाकरण की वजह से ही स्थिति बेकाबू नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय वैक्सीन कोरोना के खिलाफ सबसे बड़ी उपलब्धि है, अगर कोवाक्सीन या कोविशील्ड नहीं होती तो देश के हालात बेकाबू होते।

बता दें कि देश में अभी टीकाकरण की रफ्तार फुल स्पीड में है। दो बार तो एक दिन में ही एक करोड़ से ज्यादा लोगों को टीका लग चुका है। सरकार की पूरी कोशिश है कि साल के अंत तक पूरी वयस्क आबादी को कोरोना का टीका लगा दिया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शिक्षा पर कोविड की मार

कोविड-19 ने मानव समाज को कितना पीछे धकेला है, इसके सटीक आकलन में अभी वर्षों लगेंगे, क्योंकि महामारी पर निर्णायक नियंत्रण का कोई सिरा फिलहाल ठीक-ठीक दिख नहीं रहा और दुनिया का एक बड़ा व बेबस हिस्सा अब भी इसकी वैक्सीन के इंतजार में है। पर इसके जो तात्कालिक असर दिख रहे हैं, वही काफी दिल दुखाने और चिंतित करने वाले हैं। भारत के संदर्भ में मशहूर अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज, रीतिका खेड़ा और शोधार्थी विपुल पैकरा का एक ताजा सर्वेक्षण बताता है कि लंबे अरसे तक स्कूलों के बंद रहने की सबसे बड़ी कीमत ग्रामीण इलाकों के गरीब बच्चों ने चुकाई है। कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के बीच किए गए इस सर्वे के मुताबिक, गांवों में रहने वाले 37 प्रतिशत बच्चों ने इस अवधि में बिल्कुल पढ़ाई नहीं की, जबकि सिर्फ आठ फीसदी बच्चे नियमित रूप से ऑनलाइन पढ़ाई कर सके। शहरी क्षेत्र के आंकड़े भी कोई बहुत राहत नहीं देते। यहां भी सिर्फ 24 प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर सके।

ये आंकड़े चौंकाने वाले नहीं हैं, अलबत्ता तकलीफदेह जरूर हैं। करीब डेढ़ साल तक देश भर में स्कूल बंद रहे। इस दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की वैकल्पिक व्यवस्था की गई, मगर इसकी जटिलताओं व सीमाओं को देखते हुए और भी बहुत कुछ करने की जरूरत थी। सरकार और शिक्षा तंत्र, दोनों इस बात से बखूबी वाकिफ थे कि जो बच्चे दोपहर के भोजन के आकर्षण में स्कूल आते हैं या जिनके मां-बाप बमुश्किल उनकी फीस जोड़ पाते हैं, उनके पास स्मार्टफोन, इंटरनेट, बिजली जैसी सुविधाएं कहां होंगी! ऐसे में, उनके लिए इनोवेटिव रास्ते निकालने के वास्ते स्थानीय शिक्षा-तंत्र को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए था। खासकर पूर्ण लॉकडाउन के फौरन बाद। लेकिन सवाल सरोकार का है, और दुर्योग से शिक्षा इसमें बहुत ऊपर कभी नहीं रही। इस मद में बजटीय आवंटन और स्कूलों-शिक्षकों की कमी ही बहुत कुछ कह देती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार की पहली प्राथमिकता संक्रमण रोकने की थी, और यह होनी भी चाहिए थी। पर जिस तरह उसने लोगों को भूख से मरने नहीं दिया, चुनावों में शिक्षकों की सेवाएं लीं, वह इस स्थिति से भी बचने की राह तलाश सकती थी। बहरहाल, चुनौती बड़ी है, क्योंकि बच्चों की एक विशाल संख्या सीखने में काफी पिछड़ गई है। सर्वे के निष्कर्षों में कहा गया है, कक्षा पांच के काफी बच्चों को दूसरे दरजे का पाठ पढ़ने में कठिनाई महसूस होने लगी है। अब जब तमाम सावधानियों के साथ स्कूल खुल रहे हैं, तब हमारे पूरे शिक्षा तंत्र की काबिलियत इसी से आंकी जाएगी कि वह इन बच्चों के नुकसान को किस तरह से न्यूनतम कर पाता है। सरकारों को शिक्षकों से अब पढ़ाई-लिखाई से इतर कोई भी कार्य लेने से परहेज बरतना चाहिए। उन्हें यह दायित्व सौंपना चाहिए कि इस अवधि में जिन बच्चों ने स्कूल से अपना नाता तोड़ लिया है, उन्हें वापस जोड़ा जाए। आज देश में बेरोजगारी का जो आलम है, उसे देखते हुए अल्प-शिक्षित पीढ़ियां भविष्य में बड़ा बोझ साबित होंगी। प्रधानमंत्री ने कल ही 'शिक्षक पर्व' का उद्घाटन करते हुए कहा कि शिक्षा न सिर्फ समावेशी होनी चाहिए, बल्कि समान होनी चाहिए। पर ताजा सर्वे इस लक्ष्य के विपरीत हालात दिखा रहा है, जहां गरीब-अमीर, गांव-शहर की शिक्षा में काफी असमानताएं हैं।

ओवल में भारत का डंका

टीम इंड़िया ने इंग्लैंड़ को 157 रन से हराकर ओवल में 50 साल बाद अपना ड़ंका बजा दिया। इस मैदान पर पर भारत ने 1971 में अजित वाड़ेकर के नेतृत्व में विजय प्राप्त की थी। उस जीत के हीरो स्पिनर भगवत चंद्रशेखर थे तो इस जीत का श्रेय जसप्रीत बुमराह की अगुआई वाले पेस अटैक को जाता है। इंग्लैंड़ में पहली पारी में 127 रन पर सात विकेट खो देने के बाद वापसी करके जीत पाने की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। इस जीत से भारत ने पांच टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़॰त बना ली है। भारत का इस स्थिति में पहुंचने से इंग्लैंड़ पर मैनचेस्टर में खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में अतिरिक्त दबाव बन सकता है। टीम इंड़िया ने इस साल पहले ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराकर और अब इंग्लैंड़ से दो टेस्ट जीतकर यह साबित कर दिया है कि वह चैंपियन टीम है। सीरीज से यह भी पता चला कि भारतीय टीम अब पेस गेंदबाजी पर निर्भर हो गई है। लाड्र्स टेस्ट में जीत के दौरान सभी विकेट पेस गेंदबाजों ने लिए थे। इस जीत में भी भारत के पेस गेंदबाजों ने 14 विकेट निकाले हैं। सही मायनों में शार्दुल ठाकुर का दोनों पारियों में अर्धशतकीय पारियों के खेल ने हालात को भारत के पक्ष में किया। रोहित शर्मा की शतकीय पारी नहीं होती तो पहली पारी में 99 रन से पिछड़ा भारत लड़ाई में आता ही नहीं। पर यह भी सच है कि शार्दुल और पंत ने अर्धशतक नहीं लगाए होते तो भारत 270-280 का ही लक्ष्य रख पाता और इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए इंग्लैंड़ दबाव में नहीं आता। विराट कोहली भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान तो पहले से हैं और वह अपने कॅरियर की 38वीं जीत से दुनिया के चौथे सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। अब उनसे आगे ग्रीम स्मिथ, रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ ही हैं। भारत की यह जीत इसलिए भी खास है कि टीम जिन बल्लेबाजों पर निर्भर हैग उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पुजारा और विराट तो फिर भी थोड़ा-बहुत योगदान कर रहे हैं पर रहाणे तो एकदम से रंगत में नहीं दिखे हैं। इसके बाद भी इंग्लैंड़ को मांद में मात देना मायने रखता है। इंग्लैंड़ दौरे पर एक सीरीज में दो टेस्ट जीतने वाले विराट भारत के दूसरे कप्तान बन गए हैं। इससे पहले कपिल देव ने 1986 में इंग्लैंड़ दौरे पर दो टेस्ट जीते थे। विराट के सामने एक सीरीज में तीन टेस्ट जीतकर सीरीज कब्जाने का भी मौका है।

प्रोफेसर के नोट्स/ दिलीप शाक्य

नीले आकाश में चील

रेडलाइट क्रॉस करने के बाद जैसे ही टैक्सी ने फ्लाइओवर पकड़ा म्यूजिक-प्लेयर का एफएम रेडियो ऑन हो गया। मधुबाला और अशोक कुमार की फिल्म हावड़ा-ब्रिज का गाना बजने लगा-'आइए, बैठिए जान-ए-जां.। दिल्ली के फ्लाइओवर को कोलकाता के हावड़ा-ब्रिज से मिलाते हुए प्रोफेसर सोचने लगे कि महिलाओं के काम करने के तरीके और सोच में एक अलग प्रकार की खूबी होती है। उन्होंने लेडी टैक्सी-ड्राइवर से पूछा कि वह कहां की रहने वाली है। उसने कहा-'सॉरी सर, हमें पैसेंजर्स को अपनी प्राइवेट लाइफ के बारे में बताना मना है।' प्रोफेसर जवाब सुनकर कुछ हैरान तो हुए लेकिन उन्हें उसका पेशेवर जवाब और आत्मविश्वास अच्छा लगा। उनकी यह मान्यता और दृढ़ हो गई कि महिलाएं पुरुषों से हर मामले में बेहतर हैं। वे चुप हो गए और खिड़की से बाहर पीछे छूटते जा रहे दृश्यों को देखने लगे। फ्लाइऑवरों को पीछे छोड़ती हुई टैक्सी ने जैसे ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की लेन में प्रवेश किया, उनके मोबाइल की स्क्रीन पर एक मैसेज चमका। प्राग के कॉन्फ्रेंस ऑर्गनाइजर ने लिखा था कि यूरोप में कोरोना वायरस के कारण हालात खराब हो गए हैं। लोग अचानक मरने लगे हैं। अस्पतालों में जगह नहीं बची है। सख्त लॉकडाउन लगने वाला है, इसलिए कॉन्फ्रेंस रद्द की जा रही है। आकस्मिक खबर थी। प्रोफेसर को शीघ्र ही निर्णय लेना था। उन्होंने ड्राइवर को टैक्सी रोकने के लिए कहा। हवाई-अड्डे से दो किलोमीटर पहले टैक्सी रुकवा कर वे दस मिनट तक बेहद तनाव की स्थिति में चहलकदमी करते रहे। वे मानव जीवन के इस क्रूर संकट के बारे में सोचने लगे। बुद्ध से लेकर गांधी तक अनेक विचारक याद आने लगे। उनके साहस और दुस्साहस की कथाएं याद आने लगीं लेकिन इस क्रूर संकट का कहीं कोई उत्तर नहीं था। उन्होंने आकाश की ओर देखा। वसंत के स्वच्छ विस्तृत नीलेपन में एक चील चक्कर काट रही थी। जैसे मिर्जा गालिब की आवाज में कह रही हो-'सब्जा-ओ-गुल कहां से आए हैं, अब्र क्या चीज है हवा क्या है।' चील के चक्कर काटने में गहरे मौन का नजारा था। ठीक उसी क्षण उन्हें सुभाषित का यह श्लोक भी याद आया-'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥'

हम तालिबानी आंच में कितना तपेंगे

राजीव डोगरा

इतिहास के ऐसे कई सवाल हैं, जो बार-बार पूछे जाते हैं, पर उनका कोई जवाब नहीं सूझता। ऐसा ही एक सवाल अलेक्जेंडर (सिकंदर) से उनकी मां ने किया था। मां ने पूछा था कि एक साल में आपने सीरिया, पर्सिया और तुर्की, तीनों देश फतह कर लिए, लेकिन तीन साल से अफगानिस्तान में हैं। आखिर क्यों? अलेक्जेंडर ने जवाब के साथ अफगानिस्तान की मिट्टी वाली एक बोरी भी मां को भेजी और लिखा, यह मिट्टी आप राजमहल के आसपास बिछा दीजिएगा, और अपने सलाहकारों को इनके ऊपर चलने के लिए जरूर कहें। तब तक अलेक्जेंडर का मेसेडोनिया का राजपाट बहुत शांत था। बहुत सुगम तरीके से वहां का राजकाज चल रहा था। मगर जैसे ही मिट्टी बिछाई गई और सलाहकारों ने उस पर चलना शुरू किया, उनमें आपस में मतभेद दिखने लगे। इसका मतलब यह है कि शायद अफगानिस्तान की मिट्टी ही कुछ ऐसी है कि वहां कुछ न कुछ झगड़े-फसाद होते ही रहते हैं।

अफगानिस्तान के इतिहास का दूसरा सबक यह है कि वहां चाहे कितने भी युद्ध हों, लेकिन उसका नजला हमेशा भारत पर गिरता रहा है। सिकंदर भी जब अफगानिस्तान से हटा, तो वह भारत आया। मंगोल और मुगल शासकों ने भी अफगानिस्तान को ही मानो अपना 'ट्रांजिट स्टेशन' बनाया और निशाने पर हिन्दुस्तान को लिया। यानी, दुर्भाग्य से अफगानिस्तान में जो कुछ भी होता है, उसका हम पर असर होता है। हम उससे पीड़ित रहे हैं। फिर चाहे सोने की चिड़िया होने की वजह से हम पर धावा बोला जाता हो अथवा हमारी कमजोरियों के कारण। इसीलिए इतिहास बार-बार हमसे यह सवाल भी करता है कि आखिर हमने ऐसा कुछ क्यों नहीं किया कि आततायी हमारे यहां आने से डरें? यही वजह है कि काबुल पर तालिबानी कब्जे के बाद फिर से यह चिंता जाहिर की जाने लगी है कि कश्मीर में इसका क्या असर होगा? खासतौर से, तालिबान के पहले शासनकाल को देखते हुए यह चिंता कहीं ज्यादा गहरी है। मगर इसके साथ-साथ हमें खुद से यह सवाल भी करना चाहिए कि आखिर क्यों वे कश्मीर में आएंगे? क्या हम इतने अमीर हो गए हैं कि फिर से सोने की चिड़िया बन गए हैं या हम इतने कमजोर हो गए हैं कि कोई भी हमें धमका सकता है? आखिर ऐसी चिंता ईरान, पाकिस्तान, चीन, यहां तक कि रूस को क्यों नहीं है?

> हमें खुद से प्रश्न करना चाहिए कि तालिबान आखिर क्यों कश्मीर में आएंगे? क्या हम इतने कमजोर हो गए हैं कि कोई भी हमें धमका सकता है?

देखा जाए, तो कश्मीर को लेकर यह चिंता वाजिब है। खबर यही है कि अब अफगानिस्तान में 3.75 लाख सैनिक (तीन लाख के करीब अफगान सुरक्षा बल और 75 हजार के लगभग तालिबानी लड़ाके) हो गए हैं। इतनी बड़ी फौज को पालने की क्षमता अभी तालिबान की नहीं है। अपनी जरूरत और राजकोष की स्थिति को देखते हुए मुमकिन है, 70-80 हजार जवानों को ही तालिबान नियुक्त करे। शेष तीन लाख जवान आखिर करेंगे क्या? इसका जवाब 2015 में आई अपनी किताब ह्वेर बॉडर्स ब्लीड में मैंने दिया है। शुजा नवाज की किताब क्रॉस्ड सोड्र्स के हवाले से एक प्रसंग का जिक्र करते हुए मैंने लिखा है कि 1994 में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अफगानिस्तान के सदर रब्बानी से कश्मीर के लिए कुछ लड़ाकों की मांग की। उसे उम्मीद थी, दस हजार लड़ाके तो मिल ही जाएंगे। मगर अफगानिस्तान के राष्ट्रपति ने कहा कि वह तो पांच लाख तक रंगरूट दे सकते है। सोचिए, जब पिछली सदी के आखिरी दशक में महज दस हजार लड़ाकों के साथ आईएसआई कश्मीर को अशांत कर सकती थी, तो आज उसके पास बारास्ते अफगानिस्तान तीन लाख लड़ाके हैं, जो प्रशिक्षित भी हैं और कट्टर भी।

सवाल यह है कि हम हमेशा चिंता में ही रहेंगे या फिर इसका कोई स्थायी समाधान निकालेंगे? हमें जाहिर तौर पर दीर्घकालिक हल की ओर बढ़ना चाहिए। सावधान रहना बेशक जरूरी है, लेकिन समझदारी से मसले को सुलझाना कहीं ज्यादा जरूरी है। और, स्थायी समाधान यह है कि हमें पाकिस्तान के साथ इस तरह से पेश आना चाहिए कि वह भविष्य में हमें परेशान करने की जुर्रत न कर सके। इसके लिए हम कई तरह के उपाय कर सकते हैं। मसलन, आर्थिक मोर्चे पर हम उसे सीधी चोट तो नहीं दे सकते, क्योंकि उसके साथ हमारा बहुत ज्यादा कारोबार नहीं होता, लेकिन अमेरिका को यह बताया जा सकता है कि अगर वह हमारा और खुद अपना हित चाहता है, तो उसे पाकिस्तान की नकेल कसनी होगी। इस्लामाबाद को हर साल अरबों डॉलर की भेजी जा रही इमदाद उसे बंद करनी होगी। इतना ही नहीं, जिन-जिन वैश्विक संस्थानों से उसे मदद मिलती है, उन पर भी दब बनाना होगा। अमेरिका को यह समझना होगा ि अफगानिस्तान में उसकी जो आज बेइज्जती हुई है, उसव मूल वजह पाकिस्तान ही है।

दूसरा तरीका कूटनीति हो सकता है, लेकिन इसकी एक सी है। यह तभी काम करती है, जब कोई देश सैन्य और आर्थि रूप से मजबूत हो। आज के माहौल में पाकिस्तान व कूटनीति काफी व्यापक हो गई है। फिर चाहे चीन के सा उसके रिश्ते हों या हमारे पुराने दोस्त रूस के साथ। आल यह है कि रूस भी पाकिस्तान का राग अलापने लगा है उसके प्रतिनिधि कुछ बरसों में कई बार ऐसे बयान दे चुके जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान में भारत की भूमिका को कठघ में खड़ा किया है। हमें सोचना होगा कि अगर रूस हमसे ख है, तो इसकी वजह क्या है? क्या सारा दोष मास्को का है फिर नई दिल्ली का रुख भी इसके लिए कुछ हद तक जिम्मेद है? अफगानिस्तान मसले पर रूस का रवैया हमारे लि परेशानी का सबब हो सकता है। ऐसे में, कश्मीर में हाल को लेकर अभी ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगाया जा सकत यह काफी कुछ पाकिस्तान की नीयत से भी तय होगा ि आतंकवाद को फिर से हवा देने को लेकर इस्लामाबाद आखि क्या सोचता है, क्या आज उसके लिए आदर्श स्थिति है कितना तनाव वह मोल लेने को इच्छुक है? इन तमाम सवा के जवाब हमें जल्द ही मिल जाएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

उ.प्र. में रहस्यमय बुखार

चिकित्सा तंत्र की नाकामी से बदतर हालात

रमेश ठाकुर

रहस्यमयी बाल बीमारी ने हमारी नाकामी की एक ऐसी तस्वीर उजागर की है, जिसकी भरपाई हम सालों पहले कर सकते थे। भारत में शिशु अस्पतालों और बाल-चिकित्सकों की भारी कमी है, जिसका खमियाजा नौनिहाल अपने असमय मौत से चुका रहे हैं। कुदरत मानव पर पीड़ाओं का दौर किस्तों में दे रहा है। कोरोना संकट हो, कुदरती आपदाएं हों और अब रहस्यमयी बुखार ने समूचे उत्तर प्रदेश में हाहाकार मचाया हुआ है। अगस्त-सितंबर के ये दो महीने ऐसे होते हैं जो नौनिहालों पर कहर बनकर टूटते हैं, बीमारियों के लिहाज से मुसीबतों से भरे होते हैं। गोरखपुर में हो या मुजफ्फरपुर में बेमौत मरने वाले बच्चों का मामला, एकाध दशक से चलन कुछ ऐसा चल पड़ा है कि इन्हीं दिनों में बच्चों को अंजानी बीमारियां घेरती हैं। बीते दो सप्ताह से उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में रहस्यमय बुखार ने तांडव मचा रखा है, जिसने सैकड़ों बच्चों को अपनी चपेट में लिया हुआ है। इस अबूझ बीमारी को थामने में सभी प्रयास भी नाकाफी साबित हो रहे हैं। चिकित्सकों द्वारा बीमारी पर नियंत्रण नहीं पाने से एक तस्वीर उभरकर सामने आई है कि हिंदुस्तान में अब भी शीशु अस्पताल और बाल-चिकित्सकों की कितनी कमी है।

बहरहाल, इस घातक बीमारी से कुछ जिले तो बुरी तरीके से प्रभावित हैं। अकेले फिरोजाबाद में ही अस्सी से अधिक नौनिहाल मौत के काल में समा चुके हैं। घरों के आंगनों में किलकारियों की जगह मातम और चीखों की पुकारें ही सुनाई पड़ती हैं। ज्यादातर बच्चे स्वास्थ्य विभाग की अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ रहे हैं। हालांकि विभाग तात्कालिक कोशिशों में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए हुकूमत ने समूचे स्वास्थ्य अमले को अलर्ट कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी रहस्यमय बुखार से प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं। लेकिन स्थिति फिर भी काबू से बाहर है। रहस्यमय बुखार से बच्चे अचानक बीमार पड़ रहे हैं। बुखार आने के कुछ ही समय में बच्चे तेज बुखार से तपने लगते हैं और देखते ही देखते अचेत हो रहे हैं। बीमारी के शुरुआती लक्षणों को चिकित्सक भी नहीं पकड़ पा रहे। वे जब तक किसी नतीजे पर पहुंचते हैं, बहुत देर हो जाती है।

ये तल्ख सच्चाई है कि आपातकालिक बीमारियों से निपटने के लिए हमारा स्वास्थ्य तंत्र आज भी उतना सशक्त नहीं, जितनी आवश्यकता है। जब अगस्त-सितंबर में ऐसी बीमारियों से बच्चे प्रभावित होते हैं, तो पूर्व में तैयारियां कर लेनी चाहिए, लेकिन शायद हम घटनाओं के घटने का ही इंतजार करते हैं। बच्चों में वायरल, बुखार, निमोनिया, चेचक, पेचिस, दिमागी बुखार, अन्य मौसमी संक्रमण आदि रोग इन्हीं बरसा दिनों में ज्यादा मुंह फाड़ते हैं, बावजूद इसके हमा स्वास्थ्य विभाग पूर्व की तैयारियों में विश्वास न करता। हालात ऐसे हैं कि बच्चों को उपचार नहीं मि पा रहा। मथुरा, बरेली, बस्ती, आगरा व सबसे ज्या प्रभावित जिला फिरोजाबाद के सरकारी अस्पतालों व हाल अब भी रामभरोसे है।

दरअसल, ये व्यवस्था बताती है कि तुरंत आने वा स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने को हमारी तैयारि कैसी हैं। उत्तर प्रदेश शासन ने सूबे के सभी सीएम और अस्पताल कर्मियों को ऐसी आपात स्थिति लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया हुआ है। लेकि अस्पतालों का आलम जस का तस है। आपात स्थि में स्वास्थ्यकर्मी भी हाथ खड़े कर देते हैं। बहरहा अंदेशा कोरोना की तीसरी लहर का था, लेकिन उस पहले इस अंजानी बीमारी ने आकर कहर बरपा दिय कोरोना की संभावित तीसरी लहर को लेकर सरका का दावा था कि उनकी तैयारी जबरदस्त है। सच्चाई है कि प्रभावित जिलों में बच्चों के लिए अस्पतालों अतिरिक्त बिस्तरों की व्यवस्था उसी वक्त की गई।

हालात देखकर मुख्यमंत्री अपने दूसरे कामों व छोड़कर सिर्फ स्वास्थ्य तंत्र पर नजर बनाए हुए है दरअसल बच्चों का दर्द किसी को भी बेहाल कर दे है। बच्चों से संबंधित जिस तरह से घटनाएं बढ़ रही उसे देखते हुए केंद्र व राज्य सरकारों को बाल चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत कुछ किए जाने की जरूर है। अस्पतालों में बाल स्वास्थ्य से संबंधित संसाधनों व बढ़ाना चाहिए, शीशु रोग अस्पतालों, बाल-चिकित्सव और विशेषज्ञों की अतिरिक्त तैनाती पर ध्यान दे होगा।

पेरा एथलीट

जज्बे को सलाम

मनोज चतुर्वेदी

भारत में आजकल जश्न का माहौल है। वजह भारतीय पैरा एथलीटों का टोक्यो ओलंपिक में पांच स्वर्ण पदक सहित 19 पदक जीतकर इतिहास रचना है। देश को इन खेलों में पदक जीतने वाले 17 खिलाड़ियों के रूप में रियल हीरो मिल गए हैं। स्वर्ण पदक जीतने वाले मनीष रावल, अवनि लेखरा, सुमित अंतिलग प्रमोद भगत और कृष्णा नागर का दर्जा सुपर स्टार वाला हो गया है। कुछ दिनों पहले ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा की अगुआई में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने से देश में बने खुशी के माहौल को पैरा एथलीटों की इस सफलता ने खुशी से सराबोर कर दिया है।

पैरालंपिक में भारत पहले भी भाग लेता रहा है पर इस बार जिस तरह से इन खेलों ने सुर्खियां हासिल की हैं, वैसा पहले कभी देखने को नहीं मिला। इन खेलों का आयोजन तो 1960 से हो रहा है। भारत ने 1968 यानी तीसरे पैरालंपिक से भाग लेना शुरू किया। पिछले 53 सालों में हम सिर्फ12 पदक जुटा सके थेग लेकिन इस बार पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक जीतने से देश में इन खेलों की लोकप्रियता एकदम से बढ़ गई है। सच यह है कि इन खेलों से पहले टोक्यो में हुए ओलंपिक खेलों में हम इस बार इस तरह के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे पर हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बाद भी चमकदार प्रदर्शन नहीं कर सके थे। पर पैरा एथलीटों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 19 पदक हासिल कर 24वां स्थान हासिल किया औ देश को अपना मुरीद बना लिया है। पिछले कुछ सालों से पैरा एथलीटों को लेकर थोड़ी जागरूकता बढ़॰ी है। पहले देश में पैरा एथलीटों को बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता था। पहले पैरालंपिक जैसे खेलों में पैरा एथलीटों को भेजने को लेकर कोई गंभीरता नहीं रहती थी। न ही उनके पदक जीतकर लौटने पर जश्न का माहौल बनता था।

यही वजह है कि भारत ने 1976 और 1980 के खेलों में भाग ही नहीं लिया। जब कभी भाग भी लेते थे तो छोटे दल भेज दिए जाते थेग लेकिन इस बार भारत ने 54 सदस्यीय दल भेजा और नौ खेलों में भाग लिया। इससे तो लगता है कि पैरा एथलीटों को और ढंग से तैयार किया जाए तो भारत टॉप 20 में आसानी से आ सकता है। राज्य सरकारें अपने खिलाड़ियों के पदक जीतने पर करोड़ों के इनाम देने की घोषणा कर रही हैं। प्रधानमंत्री का पदक विजेताओं से फोन पर बात करके बधाई देने से उनका मनोबल बढ़ना स्वाभाविक है। हमें अपनी इस कमजोरी से उबरना होगा कि खिलाड़ियों के चमक बिखेरने के समय तो ऐसा माहौल बनाया जाता है कि अब उन्हें कोई दिक्कत नहीं होने वाली है। कुछ दिनों बाद सब कुछ भुला दिया जाता है। असल में हमें अभी से तीन साल बाद पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों की तैयारी में जुट जाना चाहिए। सही मायनों में दिव्यांगों का खिलाड़ी बनना ही जज्बे की बात है। दिव्यांग खिलाड़ी की सफलता लाखों दिव्यांगों को अपनी मुश्किलों से प पाने की प्रेरणा देती है। इन खेलों की बैड़मिंटन एसएच -6 वर्ग में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीत वाले कृष्णा नागर कद विकार के शिकार हैं। मात्र च फुट पांच इंच के हैं। उनके बारे में लोग कहा करते कि लंबाई नहीं होने से जिंदगी में कुछ नहीं कर पाएग कृष्णा कहते हैं कि इस तरह की सोच वालों के लिए मे स्वर्ण पदक जवाब है।

असल में छोटे शहरों और कस्बों में किसी की शारीरि अपंगता का मजाक उड़ाया जाना आम है। लंगड़ग टों गड्डूजैसे शब्द विकृति सोच की उपज हैं पर पैरा एथली की सफलताएं ऐसी सोच को बदलने में कामयाब सकती हैं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी दिव्यांग लिए अपनी कमजोरी को भुलाना आसान बात नहीं हो है। किसी भी दिव्यांग का फोकस बदलने में घर वा और आसपास के लोगों की भूमिका अहम रहती है। इ खेलों में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वा और समापन समारोह में ध्वज वाहक अवनि लेखरा सामने एक दौर ऐसा था, जब लगता था कि वह अप जीवन कैसे काटेंगी। 2012 में धौलपुर से पिता के सा जयपुर घर लौटते समय कार दुर्घटना में उनकी री की हड्ड़ी में लगी चोट की वजह से वह एक सम अवसाद में चली गई थीं, लेकिन पिता ने हिम्मत न हारी और उन्हें ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभि बिंद्रा की आत्मकथा लाकर दी और इससे प्रेरित होक उनके मन में निशानेबाज बनने की अभिलाषा जागी अ अब वह देशवासियों के सामने रियल हीरो की त खड़ी हैं। अवनि की ही तरह हर पैरा एथलीट की प्रेर देने वाली कहानी हैग इसलिए इन खेलों में पदक जीत वाले और भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को सलाम

रुपया 18 पैसे टूटकर 73.60 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में मजबूती तथा घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के बीच बुधवार को रुपया 18 पैसे गिरकर 73.60 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 73.48 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 73.70 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक गया। बाद में यह पिछले बंद स्तर से 18 पैसे टूटकर 73.60 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 73.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''रुपये में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती से रुपया प्रभावित हुआ। कंपनियों की बड़ी निकासी, वैश्विक स्तर पर बांड प्राप्ति में बढ़ोतरी तथा डॉलर मांग की हेजिंग से रुपये की धारणा प्रभावित हुई।'' इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 92.72 पर पहुंच गया। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.80 प्रतिशत बएकर 72.26 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

ओयो ने 900 करोड़ रुपये की अधिकृत शेयर पूंजी जुटाई

नई दिल्ली। ट्रैवल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म ओयो के संचालक ओरावेल स्टेज प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी में 1.17 करोड़ रुपये से 901 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, ओयो ने 14 अरब-16 अरब डॉलर के वैल्यूएशन रेंज में 1.2-1.5 अरब डॉलर जुटाने के अपने पब्लिक इश्यू को मैनेज करने के लिए जेपी मॉर्गन, सिटी और कोटक महिंद्रा कैपिटल सहित निवेश बैंकों के साथ चर्चा शुरू की है। अधिकृत पूंजी की अधिकतम राशि है जिसे कंपनी किसी भी समय जारी करने के लिए अधिकृत है। इस तरह की सीमा शेयरधारकों द्वारा तय की जाती है और कंपनी के घटक दस्तावेज मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में निर्धारित की जाती है। एक कंपनी अपनी अधिकृत पूंजी तब बढ़ाती है जब वह किसी और पूंजी की आवश्यकता का अनुमान लगाती है या सार्वजनिक होने और स्टॉक एक्सचेंजों पर अपने शेयरों को सूचीबद्ध करने का इरादा रखती है। फाइलिंग की कॉपी के मुताबिक,ओयो के बोर्ड ने अपनी अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे पहले जुलाई में, यह वैश्विक संस्थागत निवेशकों से टर्म बी लोन (टीएलबी) मार्ग के माध्यम से 660 मिलियन डॉलर जुटाने वाला पहला भारतीय स्टार्टअप बन गया। कंपनी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज एंड फिच द्वारा रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली भारतीय स्टार्टअप भी बन गई। ओयो जैसी टेक-आधारित कंपनियों से आईपीओ के लिए दाखिल करने वाली फर्मों की मजबूत पाइपलाइन के साथ भारतीय शेयर बाजारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में, यह भारतीय शेयर बाजारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है, जिसका अनुमान जोमैटो की बंपर लिस्टिंग के बाद लगाया जा सकता है। ओयो ने पहले सॉफ्टबैंक, सिकोइया, लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स, हीरो कॉरपोरेट और दीदी, ग्रैब और एयरबीएनबी जैसी प्रमुख वैश्विक उपभोक्ता तकनीक कंपनियों जैसे मार्की ग्लोबल वेंचर कैपिटल फंड्स से फंडिंग राउंड जुटाए हैं। इसके कारोबार में 1.58 लाख से अधिक होटल और घर शामिल हैं। और 35 से अधिक देशों में इसकी स्टोर-फ्रंट उपस्थिति है, जबकि भारत में इसके 70 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को रोजगार मिलता है।

मोदी सरकार ने किसानों को दी खुशखबरी, गेहूं समेत इन रबी फसलों की बढ़ाई एमएसपी

(एजेंसी):

मोदी कैबिनेट ने आज गेहूं समेत अन्य रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का फैसला लिया है। किसानों को सपोर्ट देने के लिए दलहन (मसूर) और तिलहन (सरसों) का **MSP** सबसे ज्यादा बढ़ाया गया है। स्स्क बढ़ाने का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज यूनियन कैबिनेट की बैठक में हुआ।

मसूर और सरसों के MSP में 400-400 रुपए का इजाफा

सरकार ने फसल वर्ष 2022-23 के लिए मसूर और सरसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 400-400 रुपए प्रति क्विंटल का इजाफा किया है। चने के **MSP** में 130 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। गेहूं का समर्थन मूल्य 40 रुपए प्रति क्विंटल बढ़कर 2015 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। जौ का **MSP** 35 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है।

क्या है एमएसपी

एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) वह दर है जिस पर सरकार किसानों से अनाज खरीदती है। मौजूदा समय में, सरकार खरीफ और रबी दोनों मौसमों में उगाई जाने वाली 23 फसलों के लिए एमएसपी तय करती है। खरीफ (गर्मी) फसलों की कटाई के तुरंत बाद अक्टूबर से रबी (सर्दियों) फसलों की बुवाई शुरू हो जाती है। गेहूं और सरसों रबी की प्रमुख फसलें हैं।

अमेजन पे की भी अपने ग्राहकों को जमा बुकिंग सेवाओं की पेशकश की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)

अमेरिका की ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन की इकाई अमेजन पे इंडिया अपने ग्राहकों को जमा बुकिंग सेवाओं की पेशकश करने जा रही है। हालांकि, उसकी प्रतिद्वंद्वी गूगल पे द्वारा शुरू की गई इसी तरह की सेवा नियामक की निगरानी में है। भुगतान ऐप अमेजन पे इंडिया ने बुधवार को निवेश मंच कुवेरा.इन के साथ गठजोड़ की घोषणा की। बयान में कहा गया है कि इससे उसके ग्राहक म्यूचल फंड और मियादी जमाओं (एफडी) में निवेश कर सकेंगे। गूगल पे ने अपने ग्राहकों को जमा की बुकिंग की सुविधा प्रदान करने के लिए इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक से करार किया था। हालांकि, अभी यह पता नहीं चला है कि अमेजन पे के ग्राहकों की जमाओं को किन बैंकों में जमा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गूगल पे की इसी तरह घोषणा के बाद ऐसी खबरें आई हैं कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी तथा बैंक के बीच करार पर रिजर्व बैंक की निगाह है क्योंकि इसका प्रभाव व्यापक वित्तीय परिदृश्य पर पड़ सकता है।

सरकार ने एलआईसी के आईपीओ प्रबंधन के लिए 10 मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति की

नयी दिल्ली (एजेंसी),

सरकार ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के प्रबंधन के लिए गोल्डमैन साक्श (इंडिया) सिक्योरिटीज, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज इंडिया सहित 10 मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति की है। विनिवेश विभाग की वेबसाइट पर डाले गए एक सर्कुलर के अनुसार, इस विशाल आईपीओ के प्रबंधन के लिए जिन अन्य बैंकरों का चयन किया गया है उनमें एसबीआई कैपिटल मार्केट, जेएम फाइनेंशियल, एक्सिस कैपिटल, बोफा सिक्योरिटीज, जेपी मॉर्गन इंडिया, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लि. शामिल हैं। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने ट्वीट किया कि सरकर ने एलआईसी के आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड प्रबंधकों तथाा अन्य सलाहकारों का चयन कर लिया है। विनिवेश विभाग ने मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति के लिए 15 जुलाई को आवेदन मांगे थे। इसके बाद 16 मर्चेंट बैंकरों ने एलआईसी के आईपीओ के प्रबंधन के लिए प्रस्तुतीकरण दिया था। दीपम हिस्सेदारी बिक्री के लिए विधि सलाहकार की नियुक्ति की भी प्रक्रिया में है। इसके लिए बोली भेजने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है। बीमांकक कंपनी मिलीमैन एडवाइजर्स एलएलपी की नियुक्ति आईपीओ से पहले एलआईसी का अंतर्निहित मूल्य निकालने के लिए की गई है। कंपनी का आईपीओ जनवरी-मार्च, 2022 की तिमाही में आने की उम्मीद है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड को अगस्त में मिला 8,666 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी):

शेयर बाजारों में तेजी के बीच नई कोष पेशकशों (एनएफओ) में मजबूत प्रवाह तथा एसआईपी में स्थिरता के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में अगस्त में 8,666 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। यह लगातार छठा महीना है कि जबकि इक्विटी एमएफ में निवेश का प्रवाह सकारात्मक रहा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले जुलाई में इन कोषों में 22,583 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया था। इक्विटी योजनाओं में जून में शुद्ध रूप से 5,988 करोड़ रुपए, मई में 10,083 करोड़ रुपए, अप्रैल में 3,437 करोड़ रुपए और मार्च में 9,115 करोड़ रुपए का निवेश आया था। इससे पहले जुलाई, 2020 से फरवरी, 2021 तक इक्विटी योजनाओं से लगातार निकासी हुई थी। इस निवेश से अगस्त के अंत तक म्यूचुअल फंड उद्योग के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 36.6 लाख करोड़ रुपए के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गईं। जुलाई अंत तक यह 35.32 लाख करोड़ रुपए थीं। आंकड़ों के अनुसार इक्विटी और इक्विटी से जुड़ी ओपन एंडेड योजनाओं में अगस्त में 8,666.68 करोड़ रुपए का निवेश आया। एम्फी के मुख्य कार्यकारी एन एस वेंकटेश ने कहा कि कुल मिलाकर सतत् खुली म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश का प्रवाह सकारात्मक रहा है। इससे उद्योग का शुद्ध एयूएम अगस्त में 36 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। मॉर्निंगस्टार इंडिया की वरिष्ठ विश्लेषक प्रबंधक शोध कविता कृष्णन ने कहा कि एनएफओ में रिकॉर्ड प्रवाह तथा सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (सिप) में स्थिरता ने मुख्य रूप से इक्विटी में प्रवाह में योगदान दिया। माईवेल्थग्रोथ.कॉम के सह-संस्थापक हर्षद चेतनवाला ने कहा कि उद्योग में निवेश का प्रवाह अगस्त में भी सकारात्मक रहा। निवेशकों ने इस दौरान इक्विटी आधारित एनएफओ में 6,863 करोड़ रुपए का निवेश किया। फंड्सइंडिया में शोध प्रमुख अरुण कुमार ने कहा कि कुछ निवेशक जो बाहर हो गये थे और नजर टिकाये हुये थे, धीरे धीरे वापस आने लगे हैं। यह रुख एनएफओ की रिकार्ड प्राप्ति में भी दिखाई दिया है। उन्होंने कहा, ''दूसरी लहर कमजोर पड़ने, टीकाकरण की गति बढ़ने, पिछले दिनों में शेयर बाजार में तेजी का रुझान और दूसरी लहर के बावजूद बाजार में स्थिरता बने रहने से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।''

आने वाली तिमाहियों में मजबूत रहेगी भारत की आर्थिक वृद्धि दरः एस एंड पी

(एजेंसी):

भारत की आर्थिक वृद्धि दर आने वाली तिमाहियों में मजबूत रहेगी। हालांकि, खाद्य वस्तुओं के दाम में तेजी के साथ मुद्रास्फीति ऊंची रह सकती है। साख निर्धारण एजेंसी एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने बुधवार को यह कहा। एजेंसी के अनुसार चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि अगले वित्त वर्ष 2022-23 में यह 7 प्रतिशत रह सकती है। आने वाले समय में राजकोषीय मजबूती सुनिश्चित करने के लिए बाजार मूल्य पर ऊंची जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर महत्वपूर्ण होगी। एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक (सरकारी) एंड्रयू वूड ने कहा, ÷भारत के राजकोषीय घाटे की कमजोर स्थिति और जीडीपी के मुकाबले कर्ज 90 प्रतिशत के करीब पहुंचने को देखते हुए राजकोषीय स्थिति में और गिरावट को रोकने और इसे कुछ हद तक सुदृढ़ करने के लिये बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि राजकोषीय घाटा अगले दो साल तक ऊंचा बना रहेगा लेकिन कर्ज/जीडीपी अनुपात स्थिर होने का अनुमान है। वूड ने कहा कि महामारी के संदर्भ में भारत की बाह्य स्थिति मजबूत हुई है और देश ने विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड गति से जुटाया है। उन्होंने कहा, ''भारत की बाह्य स्थिति काफी मजबूत है और इस तथ्य के बावजूद कि राजकोषीय स्थिति बिगड़ी है, देश की सरकारी साख के लिहाज से यह काफी मददगार है।'' 'इंडिया क्रेडिट स्पॉटलाइट 2021' में एस एंड पी के अर्थशास्त्री (एशिया प्रशांत) वी राणा ने कहा, ''हम तीसरी और चौथी तिमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि महामारी की दूसरी लहर आर्थिक गतिविधियों के लिहाज अच्छी नहीं रही। परिवार प्रभावित हुए हैं परिवार अपनी जमा-पूंजी को दुरूस्त करने पर ध्यान देंगे और खर्च पर लगाम लगाएंगे। इसका मतलब है कि आर्थिक पुनरूद्धार के साथ गतिविधियां इसके अनुरूप नहीं होंगी।'' देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में पिछले साल की इसी अवधि में तुलनात्मक आधार कमजोर होने से 20.1 प्रतिशत रही है। इससे पिछली तिमाही जनवरी से मार्च 2021 में वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत रही थी। राणा ने कहा कि मुद्रास्फीति तय लक्ष्य के दायरे के उच्च स्तर पर है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक की महंगाई दर पर नजर होगी। भारतीय रिजर्व बैंक को महंगाई दर 2 प्रतिशत घट-बढ़ के साथ 4 प्रतिशत के स्तर पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। एस एंड पी ने स्थिर परिदृश्य के साथ भारत को निवेश की सबसे निचली रेटिंग 'बीबीबी-' में रखा है।

नयी कंपनियों का पंजीकरण 2020-21 में 26 प्रतिशत बढ़ाः रिपोर्ट

नयी दिल्ली (एजेंसी),

कंपनी कानून के तहत गठित नयी कंपनियों की संख्या 2020-21 में इससे पिछले साल के मुकाबले 26 प्रतिशत बढ़कर 1.55 लाख से अधिक हो गई। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। रूबिक्स डाटा साइंसेस ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में कंपनियों के पंजीकरण के मामले में शुरूआत धीमी रही और अप्रैल 2020 में केवल 3,209 कंपनियों का पंजीकरण हुआ। लेकिन मार्च 2021 में यह संख्या रिकार्ड 17,324 तक पहुंच गयी। इसमें कहा गया है, ''भारत में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 1,55,377 नयी कंपनियों का पंजीकरण हुआ। यह इससे पूर्व वित्त वर्ष में पंजीकृत 1,22,721 कंपनियों की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है।'' रूबिक्स डाटा साइंसेस प्रौद्योगिकी और विश्लेषण आधारित बी2बी (कंपनियों के बीच) जोखिम प्रबंधन और निगरानी मंच है। रिपोर्ट के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में नयी कंपनियों का पंजीकरण 2020-21 में 45 प्रतिशत बढ़कर 33,483 रहा जो एक साल पहले 2019-20 में 23,014 था। इसमें कहा गया है, ''सेवा क्षेत्र में, नयी कंपनी के पंजीकरण में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि और संबद्ध गतिविधियों में पंजीकृत नयी कंपनियों की संख्या में 112 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई।'' रिपोर्ट के अनुसार नयी सीमित देनदारी भागीदारी (एलएलपी) की संख्या पिछले वित्त वर्ष में लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 42,185 हो गई, जो 2019-20 में 36,176 थी।

सैमसंग ने अपग्रेडेड परफॉर्मेंस के साथ नए माइक्रो एसडी कार्ड को किया लॉन्च

सियोल (एजेंसी)।

दुनिया की अग्रणी मेमोरी चिप निमार्ता सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ने बुधवार को कहा कि उसने बेहतर प्रदर्शन और टिकाऊपन के साथ नए माइक्रोएसडी कार्ड जारी किया हैं।

दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज ने स्मार्टफोन, टैबलेट, एक्शन कैमरा और ड्रोन सहित उपकरणों पर विस्तारित भंडारण के लिए नए प्रो प्लस और ईवीओ प्लस माइक्रोएसडी कार्ड पेश किया। सैमसंग के अनुसार, प्रो प्लस माइक्रोएसडी कार्ड सामग्री निमार्ताओं के लिए अनुशंसित हैं, क्योंकि वे पूर्ववर्तियों की तुलना में तेजी से पढ़ने और लिखने की गति प्रदान करते हैं। वे क्रमश 160 मेगाबाइट प्रति सेकंड (एमबी / एस) और 120 एमबी / एस तक वितरित करेंगे। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्पाद 128 जीबी, 256 जीबी और 512 जीबी क्षमता में उपलब्ध होगा। ईवीओ प्लस माइक्रोएसडी कार्ड दिन-प्रतिदिन के उपयोग के लिए अधिक डिजाइन किए गए हैं और 130 एमबी / एस तक की स्थानांतरण गति प्रदान करते हैं, जो पिछले संस्करण की तुलना में 1.3 गुना तेज अनुक्रमिक पढ़ने की गति है। उन्हें 64 जीबी, 128 जीबी, 256 जीबी और 512 जीबी क्षमता के साथ पेश किया जाएगा। सैमसंग ने कहा, नवीनतम माइक्रोएसडी कार्ड छह-प्रूफ सुरक्षा प्रदान करते हैं, जो पिछली पीढ़ी की तुलना में सुरक्षा की दो और परतें हैं, और पानी, अत्यधिक तापमान, एक्स-रे, खराब होने, बूंदों और चुंबकीय प्रभाव का सामना करने में सक्षम होगा।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स, निफ्टी मामूली गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)

शेयर बाजारों में बुधवार को उतार-चढ़ाव रहा, इस दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस में नुकसान के साथ बाजार नीचे आया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 29.22 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,250.26 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 400 से अधिक अंकों का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 8.60 अंक यानी 0.05 प्रतिशत फिसलकर 17,353.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में नेस्ले का शेयर रहा। इसके अलावा, मारुति, बजाज फिनसर्व, बजाज ऑटो, टीसीएस और एल एंड टी में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में कोटक बैंक, टाइटन, एनटीपीसी और सन फार्मा शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''मुख्य रूप से आईटी और वाहन शेयरों में मुनाफावसूली से घरेलू शेयर बाजारों में मामूली गिरावट रही। पुन- वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख का भी निवेशकों की धारणा पर प्रभाव पड़ा।'' कपड़ा कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर रही क्योंकि सरकार ने इस क्षेत्र के लिये 10,683 करोड़ रुपये की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दी है। मिडकैप और स्मॉल कैप (मझोली और छोटी कंपनियों) के शेयरों में हाल की गिरावट के बाद इसमें लिवाली देखी गयी। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और सियोल नुकसान में रहें जबकि टोक्यो में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.98 प्रतिशत बढ़कर 72.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

वैश्विक चिप की कमी के बीच मारुति सुजुकी का अगस्त में उत्पादन 8 फीसदी गिरा

नई दिल्ली।

ऑटोमोबाइल उद्योग में सेमीकंडक्टर की भारी कमी के बीच मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को अगस्त में अपने वाहन उत्पादन में 8 फीसदी की गिरावट दर्ज की। कंपनी की एक नियामक फाइलिंग में कहा गया है कि कंपनी ने अगस्त 2020 में 1,23,769 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने कुल 1,13,937 इकाइयों का उत्पादन किया। मिनी कारों के सब-सेगमेंट में, जिसमें एस-प्रेसो और ऑल्टो मॉडल शामिल हैं, ऑटोमेकर ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान 20,332 यूनिट्स का उत्पादन किया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 22,208 यूनिट्स का उत्पादन हुआ था। वैगनआर, सेलेरियो, इग्निस, स्विफ्ट, बलेनो और डिजायर से युक्त कॉम्पैक्ट कारों के सब-सेगमेंट में अगस्त 2020 में 67,348 यूनिट्स से अगस्त 2021 में 47,640 यूनिट्स के उत्पादन में सबसे तेज गिरावट देखी गई। हालांकि, सेडान सियाज का उत्पादन पिछले महीने बढ़कर 3,001 यूनिट हो गया, जो एक साल पहले 1,190 यूनिट था। यूटिलिटी व्हीकल सब-सेगमेंट, जिसमें जिप्सी, एर्टिगा, एस-क्रॉस, विटारा ब्रेजा, एक्सएल 6 और जिम्नी मॉडल शामिल हैं, पिछले महीने अगस्त में 21,737 यूनिट्स से 29,965 यूनिट्स की वृद्धि देखी गई। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का उत्पादन भी एक साल पहले की अवधि में 2,388 इकाइयों से बढ़कर 2,569 इकाई हो गया। उत्पादन में गिरावट ऐसे समय में आई है, जब दुनियाभर में ऑटोमोबाइल उद्योग चिप्स के गंभीर संकट का सामना कर रहा है। पिछले महीने, कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा था कि उसे अपने अनुबंध निर्माता - सुजुकी मोटर गुजरात द्वारा सूचित किया गया है कि चिप की कमी के कारण अगस्त में उत्पादन आंशिक रूप से प्रभावित होगा। फाइलिंग में कहा गया था, आपको सूचित किया जाता है कि सेमीकंडक्टर की कमी की स्थिति के कारण, कंपनी को उसकी अनुबंध निर्माण कंपनी, सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (एसएमजी) द्वारा सूचित किया गया है कि इस महीने उत्पादन आंशिक रूप से प्रभावित होगा। एसएमजी तीन शनिवार (7 अगस्त, 14 और 21 अगस्त) को अस्थायी रूप से उत्पादन नहीं करेगी। इसके अलावा, कंपनी ने कहा था कि कुछ उत्पादन लाइनों में दो-शिफ्ट से एक-शिफ्ट के संचालन में अस्थायी कमी देखी जा सकती है।

यूएस ओपन : अलकार्ज के रिटायर होने के कारण सेमीफाइनल में पहुंचें एलियासिमे

न्यूयॉर्क। कनाडा के फेलिक्स एउगर एलियासिमे स्पेन के कार्लोस अलकार्ज के चोटिल होने की वजह से रिटायर होने के कारण यहां जारी यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। एलियासिमे ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया था और वह दूसरे सेट में भी 3-1 से आगे चल रहे थे। लेकिन तभी अलकार्ज ने मैच से हटने का फैसला लिया और एलियासिमे पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। 21 वर्षीय एलियासिमे कनाडा के पहले टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। एलियासिमे ने एटीपीटूर डॉट कॉम से कहा, यह एक अद्भुत मील का पत्थर है। यह मेरे लिए शानदार टूर्नामेंट रहा है। हालांकि, मैच का अंत अजीब था। मेरे पास शुक्रवार को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ खेलने का मौका होगा। मेरे पास मेरे पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जाने का मौका होगा। यह आश्चर्यजनक है, मैं खुश हूं कि मैं सफल हूं और मैं अगला मैच जीतने की कोशिश करूंगा। 12वीं सीड का मुकाबला दूसरी सीड और दो बार फाइनल में पहुंचने वाले रूस के डेनिल मेदवेदेव से मुकाबला होगा।

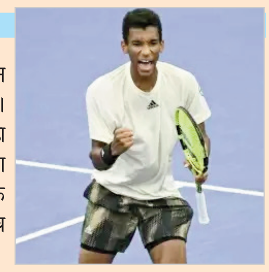

तालिबान ने कहा, अफगानिस्तान में महिलाओं को क्रिकेट सहित कोई खेल खेलने की इजाजत नहीं

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान ने बुधवार को स्पष्ट किया है कि अफगानिस्तान में महिलाओं को क्रिकेट सहित कोई खेल खेलने की अनुमति नहीं है।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच इस साल नवंबर में होबार्ट में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच पर संशय के बादल छा गए हैं।तालिबान कलचरल कमिशन के डिप्टी हेड अहमदुल्लाह वासिक ने एसबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे नहीं लगता कि महिलाओं को क्रिकेट खेलने की इजाजत होगी क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि महिलाएं क्रिकेट खेलें। क्रिकेट में उन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है जहां उनका चेहरा और शरीर ढका नहीं होगा। इस्लाम औरतों को इस तरह देखने की इजाजत नहीं देता। यह मीडिया का जमाना है, और इसमें फोटो और वीडियो होंगे और फिर लोग इसे देखेंगे। इस्लाम और इस्लामिक अमीरात महिलाओं को क्रिकेट खेलने या उस तरह के खेल खेलने की इजाजत नहीं देते। नवंबर 2020 में, 25 महिला क्रिकेटरों को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया गया था। काबुल में 40 महिला क्रिकेटरों के लिए 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सभी 12 पूर्ण सदस्यों की राष्ट्रीय महिला टीम होना जरूरी है और आईसीसी केवल पूर्ण सदस्यों को ही टेस्ट मैच खेलने की अनुमति है। यह पूछे जाने पर कि महिला क्रिकेट नहीं होने का मतलब आईसीसी होबार्ट टेस्ट को रद्द कर सकता है। इस पर वासिक ने कहा कि तालिबान समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा, इसके लिए अगर हमें चुनौतियों और समस्याओं का सामना करना पड़ा तो हमने अपने धर्म के लिए लड़ाई लड़ी है ताकि इस्लाम का पालन किया जा सके। हम इस्लामी मूल्यों को पार नहीं करेंगे, भले ही इसकी विपरीत प्रतिक्रिया हो। हम अपने इस्लामी नियमों को नहीं छोड़ेंगे। वासिक ने कहा कि इस्लाम ने महिलाओं को खरीदारी जैसे जरूरतों के आधार पर बाहर जाने की इजाजत दी है और खेल को जरूरी नहीं माना जाता है। ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री डैन तेहान ने तालिबान द्वारा महिला एथलीटों को खेल खेलने से प्रतिबंधित करने के फैसले को अविश्वसनीय रूप से निराशाजनक बताया।

झाझरिया और वेंकटेश प्रसाद राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के चयन समिति में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तीन बार के पैरालंपिक पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया को इस साल के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के चयन समिति में शामिल किया गया है जबकि उच्चतम न्यायालय के रिटायर्ड न्यायाधीश और जस्टिस मुकुंदकम शर्मा को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, अनुभवी मुक्केबाज सविता देवी, हॉकी कोच बलदेव सिंह, पूर्व राइफल शूटर अंजली भागवत और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को भी चयन समिति में शामिल किया गया है। झाझरिया ने आईएएनएस से कहा, मुझे बहुत खुशी है कि मुझे खेल मंत्रालय ने इस काबिल समझा। मेरे लिए यह गर्व की बात है। झाझरिया ने हाल में ही संपन्न हुए टोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने 2004 और 2016 में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। चयन समिति अब कुछ दिनों के भीतर मिलकर विजेताओं की धोषणा करेगी। इस साल सरकार ने खेल पुरस्कार समारोह को देरी से कराने का फैसला किया था। सरकार ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों खेलों के समाप्त होने का इंतजार कर रही थी। चयन समिति में भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक संदीप प्रधान और पत्रकार विक्रांत गुप्ता और विजय लोकपल्ली भी शामिल हैं। देश के लिए ओलंपिक में इस साल सबसे अधिक सात पदक आए जबकि पैरालंपिक में पांच स्वर्ण सहित 19 पदक आए।इस वर्ष राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न कर दिया गया था। खेल रत्न में 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है, जबकि अर्जुन अवॉर्ड विजेता को 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। कोचों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार है। वार्षिक सम्मान में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार और वर्ष 2021 के लिए मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी भी शामिल है।

मेगनस कार्लसन नें जीता एमचैस यूएस रैपिड शतरंज का खिताब

नई दिल्ली (निकलेश जैन) (एजेंसी)

चैम्पियन चैस टूर के नौवे और अंतिम पड़ाव एमचैस यूएस रैपिड ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट का खिताब मौजूदा विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन नें अपने नाम कर लिया । फाइनल मुक़ाबले मे रूस के अर्टेमिव ब्लादिस्लाव को लगातार दो दिन बेस्ट ऑफ टू फाइनल में 2.5-1.5 और 2.5-0.5 से पराजित किया । दूसरे दिन कार्लसन को जीत के लिए सिर्फ 2 अंको की जरूरत थी ऐसे कार्लसन नें पहला और तीसरा मैच जीतकर आवश्यक 2 अंक बना लिए । इसके साथ ही कार्लसन ने 2021 मे टूर के सबसे ज्यादा तीन खिताब जीतने के यूएसए के वेसली सो के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है । अब 25 सितंबर से होने जा रहे टूर फाइनल में कार्लसन 339 टूर अंको के साथ खेलने उतरेंगे जबकि वेसली सो 261 अंको के साथ फाइनल की शुरुआत करेंगे ।

यूएस ओपन : क्रेजकिकोवा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचीं सबालेंका

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

बेलारूस की एरिना सबालेंका ने आठवीं सीड चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजकिकोवा को हराकर यहां चल रहे वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।विश्व की नंबर-2 सबालेंका ने क्रेजकिकोवा को आर्थर एशे स्टेडियम में हुए मुकाबले में 6-1, 6-4 से हराया। सबालेंका ने इससे पहले विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अब इस साल फ्रेंच ओपन चैंपियन क्रेजजिकोवा को हराकर दूसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों खिलाड़ियों ने 42 टूर लेवल मुकाबले जीते हैं लेकिन इस जीत के साथ सबालेंका 43 मुकाबलों में जीत के साथ ही लीड कर रही हैं। सबालेंका ने कहा, दूसरा बड़ा सेमीफाइनल है और उम्मीद है कि मैं इसे जारी रखूंगी। मुझे खुद पर गर्व हो रहा है और टीम पर भी जिन्होंने हमेशा मेहनत की है। ये हमेशा उन विभाग को देखते हैं जहां मुझे सुधार करना चाहिए। सेमीफाइनल में सबालेंका सामना कनाडा की लिहलाह फर्नांडिज से होगा। सबालेंका और फर्नांडिज के बीच पहली बार मुकाबला होगा। विश्व रैंकिंग में 73वें स्थान पर मौजूद फर्नांडिज ने पांचवीं सीड एलिना स्वितोलीना को तीन सेटों के टाईब्रेक में हराया।

इससे पहले, फर्नांडिज ने यूएस ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका

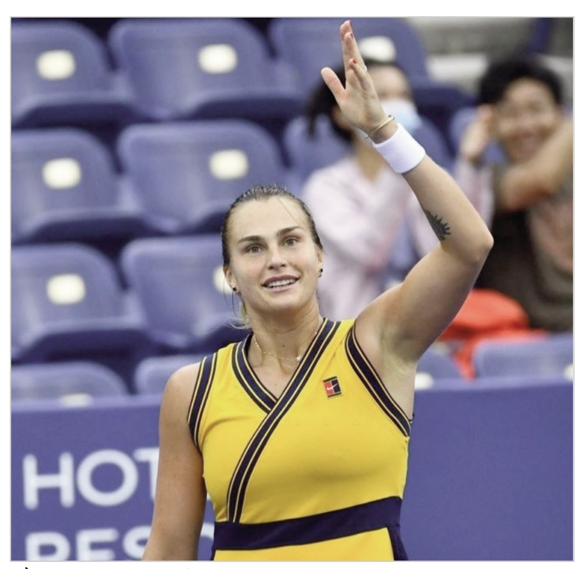

और एंजेलिक केरबेर को भी हराया था।

संक्षिप्त समाचार

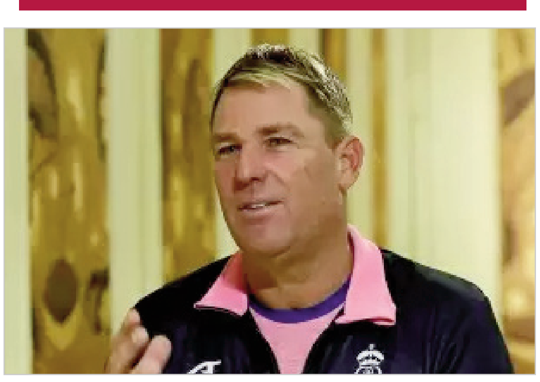

कोहली ने अपने नेतृत्व से साथी खिलाड़ियों का सम्मान हासिल किया : वार्न

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर शेन वार्न ने भारतीय कप्तान विराट कोहली की सराहना करते हुए कहा है कि उन्होंने अपने नेतृत्व से टीम के खिलाड़ियों का सम्मान हासिल किया है। भारत ने इंग्लैंड को पांचवें टेस्ट मैच में 157 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। कोहली 2019 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान महेंद्र सिंह धोनी को पछाड़कर भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बने थे। वार्न ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, टीम कोहली की तरफ देखती है और उन्हें हर खिलाड़ी से सम्मान मिलता है। खिलाड़ी उनका साथ देते हैं और उनके लिए खेलते हैं। एक कप्तान के लिए जरूरी है कि उसकी टीम उसके लिए खेले। मुझे लगता है कि जिस तरह कोहली खुद को संचालित करते हैं हम सभी को उन्हें धन्यवाद कहना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस तरह से कोहली नेतृत्व करते हैं उन्होंने टीम को एक भरोसा दिया है। खेल में भरोसा बहुत महत्वपूर्ण भाग है। अगर आप भरोसा नहीं करेंगे तो आप सफल नहीं हो सकते भले ही आपकी टीम कितनी अच्छी हो। कोहली ने टीम को भरोसा दिया है और इसे देखना सुखद है। जब तक कोहली हैं तब तक टेस्ट क्रिकेट लंबा चलेगा। प्रार्थना करें कि वह लंबे समय तक खेलें।

यशस चंद्रा ने 65 के कार्ड से बनाई बढ़त

पंचकूला : मैसूरु के यशस चंद्रा ने सात अंडर 65 का बेहतरीन कार्ड खेलकर 50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि वाली टाटा स्टील पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप में बढ़त बना ली। 26 वर्षीय यशस पिछले सप्ताह पीजीटीआई में संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंचे थे। उन्होंने यहां भी शानदार फॉर्म दिखाई और बिना किसी गलती के अपना राऊंड खेला। मौजूदा आर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन दिल्ली के राशिद खान पिछले सप्ताह संयुक्त सातवें स्थान पर रहे थे, उन्होंने अपना प्रभावी प्रदर्शन जारी रखते पांच अंडर 67 का कार्ड खेला जिसके बाद वह और कोलकाता के सुनील चौरसिया तथा गुरुग्राम के वीर अहलावत संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड को अपने प्रदर्शन और टीम भावना में सुधार करना होगा : लॉयड

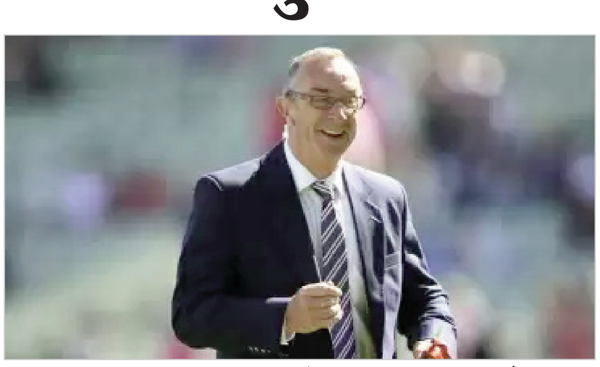

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर डेविड लॉयड का कहना है कि अगर इंग्लैंड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज बराबर करना चाहता है तो उसे अपने प्रदर्शन और टीम भावना में सुधार करना होगा। लॉयड ने डेली मेल के लिए लिखे कॉलम में कहा, जिस तरह इन्होंने लॉर्ड्स में हार के बाद मजबूत तरीके से हेडिंग्ले में वापसी की थी, उन्हें दोबारा ऐसा करना होगा। इन्हें अपने प्रदर्शन और टीम भावना में सुधार करना होगा। जब भारत कॉर्नर होता है तो वह शेर की तरह हो जाता है लेकिन इंग्लैंड ऐसा नहीं हो पाता।लॉयड का मानना है कि भारत फिलहाल टेस्ट की सर्वश्रेष्ठ टीम है। उन्होंने कहा, भारत की टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम है। शार्दुल ठाकुर और उमेश यादव के होने से उनकी टीम में गुणवत्ता है और ये खिलाड़ी अच्छा काम कर रहे हैं। मैं बता रहा हूं कि वे कितने अच्छे हैं। ये इतने बेहतर हैं कि टीम रविचंद्रन अश्विन को बाहर रख रही है।लॉयड का मानना है कि जोस बटलर मैनचेस्टर में एकादश में शामिल होंगे और जॉनी बेयस्टो से विकेटकीपिंग का जिम्मा लेंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह एकादश में होंगे। ऐसा नहीं होता तो उन्हें वापस टीम में नहीं लिया जाता। बेयरस्टो ने द ओवल में ज्यादा गलतियां नहीं की लेकिन वह कमांड नहीं रख सके। इसकी उम्मीद है कि उन्हें टीम से बाहर रखा जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच 10 सितंबर से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। भारत ने फिलहाल सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई हुई है।

लय को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे : अमित मिश्रा

दुबई (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स के लेग स्पिनर अमित मिश्रा का कहना है कि टीम आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दिल्ली अपने दूसरे चरण का अभियान सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 22 सितंबर को होने वाले मुकाबले से करेगी। अमित ने कहा, हमने पिछले दो सीजन में अच्छा किया है और ऐसा टीम के संयुक्त प्रयास के चलते हुआ है। कोच, चयनकर्ता और खिलाड़ी सभी लोगों को पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली कैपिटल्स के विकसित होने का श्रेय जाता है। उन्होंने कहा, हम आईपीएल 2021 के पहले चरण के लय को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे और सीजन शुरू होने पर एक समय में एक ही मैच पर ध्यान देंगे। दिल्ली ने पहले चरण में अच्छा प्रदर्शन किया और आठ में से छह मुकाबले जीते। हालांकि, अमित का मानना है कि सीजन के शुरू होने पर सभी टीमों को दोबारा शुरूआत करनी होगी। अमित ने कहा, हम अभी तालिका में शीर्ष पर हैं, लेकिन हमें नए सिरे से शुरूआत करनी होगी। हमें अपनी रणनीति फिर से बनानी होगी। मुझे लगता है कि अब हर टीम के पास अच्छा प्रदर्शन करने का समान मौका है क्योंकि हम सभी टूर्नामेंट को फिर से शुरू कर रहे हैं। हम आईपीएल 2021 का दूसरा चरण एक अलग देश में खेल रहे हैं, इसलिए हमें यहां यूएई की परिस्थितियों के अनुसार अपनी रणनीति बनानी होगी।

एशियाई युवा खेल दिसंबर 2022 तक स्थगित

गुआंगझोउ (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के कारण एशियाई युवा खेल 2021 को दिसंबर 2022 तक स्थगित किया गया है। चीन ओलंपिक समिति (सीओसी) ने बुधवार को इसकी घोषणा की।तीसरे एशियाई युवा खेल का आयोजन दक्षिणी चीन के गुआंगडोंग प्रांत के शांतोउ में 20 से 28 नवंबर तक होना था। सीओसी के बयान के अनुसार, नया कार्यक्रम 20 से 28 दिसंबर 2022 तक तय किया गया है।बयान में कहा, ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए), सीओसी और स्थानीय आयोजन समिति ने गहन चर्चा की और प्रत्येक राष्ट्रीय/क्षेत्रीय ओलंपिक समिति के हितों की रक्षा करने और सभी एथलीटों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए एक साथ निर्णय लिया। शांतोउ ने 2019 में तीसरे एशियाई युवा खेलों की मेजबानी का अधिकार जीता था। एशियाई युवा खेल एशिया के शीर्ष पांच बहु-खेल आयोजनों में से एक है।

ओलिम्पिक कांस्य पदक पर दिलप्रीत ने कहा, यह भारतीय हॉकी के लिए नई शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

युवा स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह ने कहा कि कोविड-19 की चुनौतियों के बावजूद भारतीय हॉकी टीम ने अपना मनोबल ऊंचा रखा और टोक्यो ओलिम्पिक में एतिहासिक कांस्य पदक नए युग की शुरुआत है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पिछले महीने टोक्यो खेलों में कांस्य पदक के साथ ओलंपिक पदक के 41 साल के इंतजार को खत्म किया। दिलप्रीत ने कहा कि हमने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए इतनी कड़ी मेहनत की। हमने महामारी के कारण किसी मुश्किल को अपने मनोबल को प्रभावित नहीं करने दिया। सीनियर खिलाडियों ने लगातार हमारी हौसलाअफजाई की और हमें महसूस कराया कि हम यह कर सकते हैं। दिलप्रीत ने कहा कि मेरा सचमुच में मानना है कि यह नई शुरुआत है। हम सभी और अधिक हासिल करना चाहते हैं और हम चाहते हैं कि लोग हमें और अधिक प्यार दें और हमारा समर्थन जारी रखें। और इसके लिए हमें लगता है कि हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हम इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। भारतीय टीम के साथ 21 साल के दिलप्रीत ने अब तक शनदार प्रदर्शन किया है। वर्ष 2017 में जूनियर टीम के साथ सुल्तान आफ जोहोर कप में कांस्य पदक के दौरान अच्छे प्रदर्शन के बाद से दिलप्रीत के करियर ने नई बुलंदियों को छुआ है।

उन्हें सीनियर शिविर के लिए बुलाया गया और 2018 से वह लगभग सभी बड़े टूर्नामेंट में भारतीय टीम का हिस्सा रहे जिसमें राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल के अलावा ओडिशा के भुवनेश्वर में विश्व कप भी शामिल है। दिलप्रीत ने कहा- इस शानदार समूह का हिस्सा बनकर मैं भाग्यशाली महसूस करता हूं और हां, मेरा मानना है कि मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत इतनी अच्छी रही। पंजाब के इस युवा फारवर्ड ने कहा कि 2018 एफआईएच पुरुष विश्व कप में भारत के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद जब उन्हें टीम से बाहर किया गया तो उन्हें जो समर्थन मिला वह उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट रहा।

जब मैं खराब स्थिति में था तो राजस्थान रॉयल्स ने मेरी मदद की : करियप्पा

दुबई। लेग स्पिनर केसी करियप्पा का कहना है कि जब वह खराब स्थिति में थे तो राजस्थान रॉयल्स ने उनकी काफी मदद की।करियप्पा और ऑलराउंडर श्रेयस गोपाल ने हाल के महीनों में ज्यादा परिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन यह दोनों राजस्थान रॉयल्स को यूएई में होने वाले आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के दौरान प्लेऑफ में पहुंचाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। करियप्पा ने कहा, जब मैं कर्नाटक टीम में नहीं चुना गया तो मैं काफी निराश हो गया था। मैंने पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहतर किया लेकिन इसके बाद चीजें मेरे लिए सही नहीं रही। उन्होंने कहा, जुबिन भरुचा सर ने मुझे बुलाया और आईपीएल ट्रॉयल्स देने के लिए कहा। मैं आश्चर्यचकित था कि एक साल से दूर रहने के बाद मुझे ट्रॉयल्स के लिए बुलाया गया है। हालांकि, मैं वहां गया और मैंने गेंदबाजी की। करियप्पा ने कहा, जुबिन सर ने फिर मुझे फोन किया और कहा, मैं 2015 से आपको देख रहा हूं, लेकिन आपको क्या दिक्कत है? आपकी फिटनेस को क्या हुआ है? हमें आपकी गेंदबाजी पसंद है लेकिन आपको अपनी फिटनेस ठीक रखनी होगी। यही वह क्षण था जब मुझे फिर से प्रेरणा मिली और मैंने लय में वापस आने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की। इसलिए मुझ पर विश्वास दिखाने के लिए मैं वास्तव में उनका और राजस्थान रॉयल्स की फ्रेंचाइजी का शुक्रगुजार हूं। मुझे लगता है कि मैं उनकी वजह से अपने पैरों पर वापस आ गया हूं और अब मैदान पर उस विश्वास को चुकाने का समय आ गया है।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत शृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विठ्ठल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहस्र्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फग्र्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विठ्ठल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

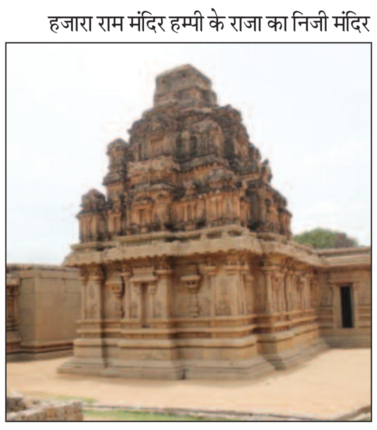

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झूंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इंडोनेशियाई जेल में लगी आग में 41 कैदियों की मौत, 80 बुरी तरह झुलसे

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी के पास भीड़-भाड़ वाली एक जेल में बुधवार को तड़के भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 41 कैदियों की मौत हो गई जबकि 80 अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो विदेशी नागरिक भी शामिल थे जो नशीले पदार्थों से जुड़े मामले में सजा काट रहे थे। टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए संघर्ष करते दिखे और परिसर से काला धुआं उठता नजर आया। इंडोनेशियाई रेड क्रॉस के अधिकारियों ने पीड़ितों को निकालकर एंबुलेंसों में डाला और जकार्ता की बाहरी सीमा पर स्थित तांगेरंग जेल के एक कक्ष में कई शव नारंगी रंग के थैलों में डालकर रखे गए। इंडोनेशिया के न्याय एवं मानवाधिकार मंत्री यासोना लाओली ने संवाददाताओं को बताया कि मारे गए 41 कैदी मादक पदार्थ मामलों के दोषी थे। इनमें दो लोग दक्षिण अफ्रीका और पुर्तगाल के थे लेकिन एक आतंकवाद का दोषी और दूसरा हत्या का दोषी था। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायल पीड़ितों को बेहतर इलाज देने की प्रतिबद्धता जताई। लाओली ने कहा, 'यह हम सबको चिंतित करने वाली त्रासदी है। हम आग के कारणों की जांच के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ करीब से काम कर रहे हैं।' जकार्ता पुलिस प्रमुख फादिल इमरान ने बताया कि जेल के सी2 ब्लॉक की 19 कोठरियों में से एक में शॉर्ट सर्किट होने के बाद एक बजकर 45 मिनट पर आग लगी।

जापान सरकार सुगा के उत्तराधिकारी के चयन के लिए 4 अक्टूबर को संसद की बैठक बुलाने पर कर रही विचार

टोक्यो। जापान सरकार प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा के उत्तराधिकारी के चयन के लिए 4 अक्टूबर को एक असाधारण संसदीय सत्र बुलाने पर विचार कर रही है। 29 सितंबर को होने वाले सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेतृत्व चुनाव के विजेता को एलडीपी के रूप में वोट दिया जाना तय है और इसके कनिष्ठ गठबंधन सहयोगी कोमिटो शक्तिशाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव को नियंत्रित करते हैं। अपनी कोविड -19 प्रतिक्रिया पर बढ़ती आलोचना के बीच, सुगा, जिन्होंने एक साल से भी कम समय पहले प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्होंने पिछले सप्ताह एलडीपी के नेतृत्व के लिए फिर से चुनाव नहीं करने की घोषणा की। सामान्य तौर पर, असाधारण संसदीय सत्र के बाद, नए प्रधानमंत्री अगले सप्ताह विपक्षी नेताओं से पूछताछ के साथ उसी सप्ताह एक नीति भाषण देते हैं। अगर असाधारण सत्र 4 अक्टूबर को होता है, तो आम चुनाव 7 नवंबर को हो सकता है। पूर्व विदेश मंत्री फुमियो किशिदा और टीकाकरण मंत्री तारो कोनो एलडीपी नेतृत्व की दौड़ के लिए समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि पूर्व संचार मंत्री साने ताकाची के बुधवार को अपनी बोली लगाने की घोषणा करने की उम्मीद है।

चीन ने नया पृथ्वी अवलोकन उपग्रह किया लॉन्च

ताइयुआन। चीन ने उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत के ताइयुआन सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से मंगलवार (बीजिंग के समय) सुबह 11:01 बजे एक नया पृथ्वी अवलोकन उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उपग्रह, गाओफेन-5 02, लॉन्ग मार्च-4सी रॉकेट पर लॉन्च किया गया और सफलतापूर्वक अपनी नियोजित कक्षा में प्रवेश कर गया। यह लॉन्ग मार्च कैरियर रॉकेट सिरीज का 387वां उड़ान मिशन है।

वर्ष 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत, गोयल को नियुक्त किया गया शेरपा

वाशिंगटन। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाने वाले समूह जी20 के लिए भारत का शेरपा नियुक्त किया गया है। इसकी घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत एक दिसंबर 2022 से जी20 समूह की अध्यक्षता करेगा और 2023 में पहली बार जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। जी20 देशों की अगली बैठक 30-31 अक्टूबर को इटली की अध्यक्षता में होनी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और वस्त्रमंत्री पीयूष गोयल को जी20 के लिए भारत का शेरपा नियुक्त किया गया है।'' गोयल को सुरेश प्रभु की जगह भारत का जी20 शेरपा नियुक्त किया है। ज्ञात हो कि शेरपा जी20 सदस्य देशों के नेताओं का प्रतिनिधि होता है, जो शिखर

सम्मेलन के एजेंडे के बीच समन्वय बनाता है और सदस्?य देशों के साथ मिलकर आर्थिक, राजनीतिक और वैश्विक चर्चा के एजेंडे को लेकर बात करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2014 से जी20 में भारत का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। भारत 1999 में जी20 के गठन से ही इसका सदस्य है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''भारत एक दिसंबर 2022 से जी20 की अध्यक्षता करेगा और पहली बार 2023 में जी20 नेताओं की बैठक बुलाएगा।'' मंत्रालय ने कहा, ''भारत एक दिसंबर 2021 से लेकर 30 नवंबर 2024 तक जी20 ट्रोइका का हिस्सा होगा।'' उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष जब एक सदस्य देश अध्यक्ष पद ग्रहण करता है तो वह देश पिछले वर्ष के अध्यक्ष देश एवं अगले वर्ष के अध्यक्ष देश के साथ समन्वय स्थापित करके कार्य करता है और इस प्रक्रिया को ही सामूहिक रूप से ट्रोइका कहते है। यह समूह के एजेंडे की अनुकूलता एवं निरंतरता को सुनिश्चित करता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, जी20 विश्व की 19 अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ को साथ लाता है और इसके सदस्य वैश्विक जीडीपी का 80 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत और वैश्विक आबादी के 60 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, जर्मनी, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

सशस्त्र और खतरनाक: अफगानिस्तान के नए गृहमंत्री हक्कानी पर 50 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद के नेतृत्व में नए गृहमंत्री के रूप में नामित, कुख्यात हक्कानी नेटवर्क के सिराजुद्दीन हक्कानी को अमेरिका के न्याय विभाग ने उसकी गिरफ्तारी पर 50 लाख डॉलर तक का इनाम रखा है।

तालिबान का एक शीर्ष नेता हक्कानी, जिके बारे में कहा जाता है कि उसने 40 साल की उम्र में अपने पिता जलालुद्दीन हक्कानी को हक्कानी नेटवर्क के नेता के रूप में सफल किया था। उस पर अफगानिस्तान में कुछ सबसे हिंसक हमलों का आरोप लगाया गया है और उसे अमेरिका द्वारा आतंकवादी नामित किया गया है। एफबीआई की वेबसाइट पर एक पोस्टर के अनुसार, सिराजुद्दीन हक्कानी को भूरी या काली आंखों वाला, काले बालों वाला व्यक्ति, 5 फीट 7 इंच लंबा, मध्यम आकार और 150 पाउंड वजन, हल्का और झुरीदार रंग और अरबी बोलने वाला बताया गया है। उसके उपनाम हैं- सिराज, खलीफा, मोहम्मद सिराज, सरजादीन, सिरोदजिद्दीन, सेराज, अरकानी, खलीफा (बॉस) साहिब, हलीफा, अहमद जिया, सिराजुद्दीन जलालौदीन हक्कानी, सिराज हक्कानी, सेराजुद्दीन हक्कानी, सिराज हक्कानी, और सरज हक्कानी। अमेरिकी न्याय विभाग का कहना है कि वह जनवरी 2008 में काबुल के एक होटल में हुए हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए वांछित है, जिसमें एक अमेरिकी नागरिक सहित छह लोग मारे गए थे। माना जाता है कि उसने संयुक्त राज्य अमेरिका और अफगानिस्तान में गठबंधन बलों के खिलाफ सीमा पार हमलों में समन्वय और भाग लिया था। हक्कानी कथित तौर पर 2008 में अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई पर हत्या के प्रयास की योजना में भी शामिल था, लेकिन चेतावनी देता है कि उसे सशस्त्र और खतरनाक माना जाना चाहिए। कहा गया है, संयुक्त राज्य अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट का रिवार्डस फॉर जस्टिस प्रोग्राम के तहत सिराजुद्दीन हक्कानी की गिरफ्तारी की सीधे सूचना देने वाले को 50 लाख डॉलर तक का इनाम दिया जाएगा। हालांकि, हक्कानी ने पिछले साल दोहा समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले न्यूयॉर्क टाइम्स में अपनी राय लिखी थी, चार दशकों से अधिक समय से, हर दिन कीमती अफगान जीवन खो रहे हैं। हर किसी ने अपना प्यार खो दिया है। हर कोई युद्ध से थक गया है। मुझे विश्वास है कि हत्या और अपंगता रुकनी चाहिए।

तालिबान के डर से अपना मुल्क छोड़कर भागे थे 200 अफगान नागरिक, पाकिस्तान ने वापस भेजा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

तालिबान के अफगानिस्तान को अपने नियंत्रण में लेने के बाद पाकिस्तान ने 200 से अधिक अफगान नागरिकों को वापस उनके देश भेज दिया है, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। समाचार पत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार, ये लोग विभिन्न मार्गों से पाकिस्तान में दाखिल हुए और चमन पहुंचे, जिसके बाद कुछ दिनों तक वे एक रेलवे स्टेशन पर ही रुके। लेकिन सीमा अधिकारियों ने उन्हें वहां और रुकने से मना कर दिया। इसके बाद, कुंदुज प्रांत के अफगान नागरिक दो दिन पहले क्वेटा पहुंचने में कामयाब रहे और प्रांतीय राजधानी के बाहरी इलाके बलेली में ठहरे। किन्तु वहां के अधिकारियों ने भी उन्हें क्वेटा में नहीं रुकने दिया। उन्होंने उन सभी को हिरासत में ले लिया और फिर मंगलवार को चमन के रास्ते उन्हें उनके देश वापस भेज दिया।

ये 200 से अधिक अफगान नागरिक थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। खबर में क्वेटा संभाग के आयुक्त सोहेल-उर-रहमान बलूच के हवाले से कहा गया, '' इन अफगान परिवारों को अफगानिस्तान निर्वासित कर दिया गया, क्योंकि उन्होंने अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश किया था।'' उन्होंने कहा कि जब तक सरकार उनके ठहरने की अनुमति नहीं देती, पाकिस्तान में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले सभी अफगान नागरिकों को वापस भेज दिया जाएगा। पाकिस्तान अफगान नागरिकों को वीजा सहित अन्य कानूनी दस्तावेजों के बिना देश में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दे रहा है।

चमन के प्रशासन ने कहा कि पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों के लिए अब तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है। अफगान शरणार्थियों के संगठन और शरणार्थियों के लिये संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त कार्यालय (यूएनएचसीआर) ने भी अभी तक बलूचिस्तान के किसी भी क्षेत्र में अफगान शरणार्थियों को ठहराने की कोई व्यवस्था नहीं की है। कुछ अफगान परिवारों ने कथित तौर पर अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत से नोशकी जिले में भी प्रवेश किया है। पाकिस्तान में पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान रहते हैं। उसने हाल ही में कहा था कि वह और अधिक शरणार्थियों को पनाह देने की स्थिति में नहीं है।

चीन को तालिबान से काफी दिक्कत, इसलिए समझौता करने कोशिश में लगा, बाइडेन ने कहा- इंतज़ार कीजिए और देखिए, ये दिलचस्प होगा

पेशावर (एजेंसी)।

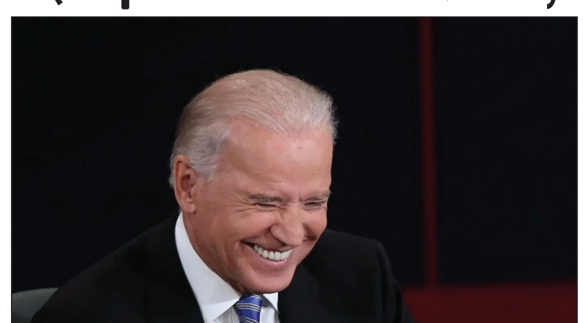

अफगानिस्तान में तालिबान राज कायम होने के बाद से ही उसके चीन और पाकिस्तान से रिश्तों की बातें सामने आ रही थीं। इसके साथ ही चीन की अफगानिस्तान के संसाधनों पर अपनी नजरे टिकाए बैठा है। अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरफ से चीन, रूस, पाकिस्तान और ईरान को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। बाइडेन ने कहा कि चीन की तालिबान के साथ कुछ बातों को लेकर समस्या है। इसलिए वो तालिबान के साथ कुछ समझौता करने की कोशिश कर रहा है। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार तालिबान को चीन से धन मिलने के बारे में पूछे जाने पर बाइडेन ने कहा कि ये चीजें चीन, पाकिस्तान, रूस और ईरान के विपरीत नहीं है। ऐसा ही रूस, ईरान और पाकिस्तान द्वारा किया जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि वे चारो इस बात पर विचार कर रहे हैं कि एक दिन पहले आतंकवादियों द्वारा घोषित नई सरकार पर सबसे अच्छी प्रतिक्रिया कैसे दी जाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान उस दिन आया जब तालिबान ने हफ्तों के विचार-विमर्श के बाद अफगानिस्तान में एक नई अंतरिम सरकार की घोषणा की है। इस कैबिनेट में एक भी महिला को जगह नहीं मिली है। नई तालिबानी सरकार में एक शीर्ष अधिकारी जो फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की 'मोस्ट वांटेड' सूची में है, जिसके सिर पर 10 मिलियन डॉलर तक का इनाम है। यद्यपि संयुक्त राज्य अमेरिका नए मंत्रिमंडल के गठन के बारे में काफी चिंतित है, अब यह ज्ञात है कि चीन नए तालिबान शासन को अपने सहयोगियों में से एक के रूप में पेश करने की तैयारी कर रहा है। तालिबान के काबुल विजय से पहले ही चीन ने उसे युद्धग्रस्त राष्ट्र के वैध शासक के रूप में मान्यता देने की तैयारी कर ली थी।इसके अलावा अशरफ गनी सरकार के निर्वासित होने से कुछ हफ्ते पहले ही चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने 'मैत्रीपूर्ण संबंध' विकसित करने के लिए मुल्ला अब्दुल गनी बरादर से मुलाकात की थी।

अफगानिस्तान के हालात पर पड़ोसी मुल्कों की अहम बैठक, पाक ने कहा- जल्द सामान्य हो जाएगी स्थिति

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान ने पूरी तरह से कब्जा करने के बाद नई सरकार का मंगलवार को गठन किया। इस सरकार में मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद को प्रमुख नियुक्त किया गया। इसी बीच जानकारी सामने आई कि अफगानिस्तान के हालात पर पड़ोसी देशों ने अहम बैठक की। इस बैठक की अध्यक्षता पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह अहमद कुरैशी ने की।

6 देशों ने की बैठक

इस बैठक में पाकिस्तान के अलावा, उज्बेकिस्तान, ईरान, ताजिकिस्तान समेत 6 देशों के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। बता दें कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह अहमद कुरैशी ने अफगानिस्तान से आतंकवाद को समाप्त करने की बात कही।

कुरैशी ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थिति जटिल और तरल बनी हुई है। हमें उम्मीद है कि राजनीतिक स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी। नई वास्तविकता के लिए हमें पुराने लेंसों को त्यागना होगा। नई अंतर्दृष्टि विकसित करने और यथार्थवादी या फिर व्यावहारिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रयासों के केंद्र में अफगान के लोगों की भलाई होनी चाहिए। क्योंकि यह लोग 40 से भी ज्यादा वर्षों से संघर्ष के कारण भारी नुकसान झेल रहे हैं।

घर में ही अमेरिकी राष्ट्रपति का लगातार हो रहा विरोध, इस्तीफा देने की मांग के बाद बोले बाइडेन- लोग समझते नहीं हैं

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तूफान इडा और इसके असर से आई विनाशकारी बाढ़ के नुकसान का जायजा लिया। लेकिन उन्हें न्यूजर्सी में विरोध का सामना करना पड़ा और शख्स ने डेमोक्रेट राष्ट्रपति के लिए इस्तीफा देने जैसे नारों लगाए। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में व्यक्ति द्वारा बाइडेन पर नाराजगी जताते हुए देखा गया। जिसमें शख्स अफगानिस्तान में अमेरिका की सैन्य वापसी को लेकर आपत्ति जता रहा था। उसका कहना था कि बाइडेन प्रशासन अफगानिस्तान से अमेरिकी नागरिकों को बाहर निकालने में पूरी तरह विफल रही। एक अन्य वीडियो में दूसरे शख्स द्वारा बाइडेन को इस्तीफे देने के लिए कहते हुए देखा गया, साथ ही विरोध करने वाला बाइडेन को अत्याचारी कहकर संबोधित कर रहा है।

क्यों हो रहा विरोध

टिप्पणियां सीबीएस न्यूज की एक रिपोर्ट और सप्ताहांत में प्रतिनिधि माइकल मैककॉल (आर-टीएक्स) की टिप्पणी के बाद आई हैं, जिसमें कहा गया था कि तालिबान ने विमानों को अफगानिसातन से उड़ान भरने के लिए रोकने का प्रयास किया था। जबकि उस विमानों में अमेरिकी नागरिकों, ग्रीन कार्ड धारकों और विशेष आप्रवासी वीजा (एसआईवी) आवेदकों को ले जाना था। कांग्रेसी और सीबीएस न्यूज दोनों ने दावा किया कि स्थिति प्रभावी रूप से एक हॉस्टेज की तरह थी। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के रैंकिंग सदस्य मैककॉल (ऋ-ञ्रङ्ग) ने रविवार को फॉक्स न्यूज के एंकर क्रिस वालेस के साथ एक साक्षात्कार के दौरान इस तरह के दावे किए थे।

बाइडेन बोले- लोग समझते नहीं हैं

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को लेकर जो बाइडेन पर सवाल उठाने के जवाब में कहा कि जलवायु परिवर्तन की स्थिति से परेशानी और सुझाव देने वाला शख्स वास्तव में उस क्षेत्र में नहीं रहता है जहां वह दौरा कर रहे थे । इसके साथ ही बाइडेन ने विरोध वाली बात को खारिज करते हुए कहा कि उनका इस क्षेत्र में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बाइडेन ने कहा कि उनमें से किसी को भी कोई शिकायत थी और हर कोई मुझे धन्यवाद दे रहा था। जो लोग बाड़ के दूसरी तरफ खड़े हैं, जो वहां नहीं रहते हैं, जो चिल्ला रहे हैं कि वे नहीं समझते हैं।

मेक्सिको के अकापुल्को में भूकंप के तेज झटके किए गए महसूस, एक व्यक्ति की हुई मौत

मेसिको सिटी। (एजेंसी)।

अकापुल्को शहर के पास मंगलवार रात भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है और इसके प्रभाव से शहर से सैकड़ों मील दूर स्थित देश की राजधानी मेक्सिको सिटी तक, इमारतें हिल गईं। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 7 थी और इसका केन्द्र अकापुल्को के 17 किलोमीटर उत्तर पूर्व (करीब 10 मील) में था। गुएरेरो राज्य के गवर्नर हेक्टर एस्टुडिलो ने मिलेनियो टेलीविजन को मंगलवार रात बताया कि अकापुल्को के पास कोयुका दे बेनितेज शहर में एक खंभा गिरने के कारण उसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। एस्टुडिलो ने बताया कि सुनामी चेतावनी केंद्र ने समुद्र के जलस्तर में किसी तरह का बदलाव नहीं पाया है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने बाद में कहा कि संभावित लहरें उठने का खतरा टल गया है।

अकापुल्को के एक निवासी सरगियो फ्लोर्स ने बताया, ''हमने इमारतों से चीख सुनी थी और खिड़कियों से चीजों को नीचे गिरते देखा। बिजली भी गुल थी। हमने पानी रिसते और तालाब उफनते देखा। लोग चीख पुकार मचा रहे थे। डर और दहशत का माहौल था। हमें समुद्र में किसी बदलाव की आशंका थी। लेकिन अब तक अधिकारियों ने सुनामी को लेकर कुछ नहीं कहा है।'' अकापुल्को की मेयर एडेला रोमन ने मिलेनियो को दिए बयान में कहा कि अब तक ''कोई गंभीर स्थिति नहीं है'' और किसी प्रकार की क्षति की भी सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि लोग चिंतित थे क्योंकि भूकंप के बाद और कई झटके महसूस किए गए। उन्होंने बताया कि कई जगह गैस लीक होने की भी सूचना है और कुछ जगह दीवार गिरने और भूस्खलन की भी खबर मिली है। भूकंप के कारण एक व्यक्ति की मौत की सूचना से पहले राष्ट्रपति एंद्रेस मैनुएल लोपेज ओब्राडोर ने ट्विटर पर कहा कि भूकंप के झटके सबसे अधिक जिन चार राज्यों में महसूस किए गए, वहां के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि कुछ जगह दीवारों के गिरने और चट्टानों के दरकने के अलावा कहीं से गंभीर क्षति या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा, ''सौभाग्य से कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ है।''

'आतंकवादियों की, आतंकवादियों के द्वारा और आतंकवादियों के लिए सरकार'

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

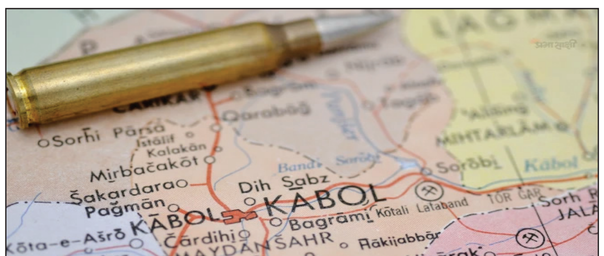

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के शीर्ष सांसदों ने अफगानिस्तान में अंतरिम सरकार बनाने की तालिबान की घोषणा पर घोर आपत्ति जताई है। तालिबान ने अफगानिस्तान में अंतरिम सरकार बनाने की मंगलवार को घोषणा की। इस सरकार में शामिल एक सदस्य का नाम वैश्विक आतंकवादियों की सूची में शामिल है। रिपब्लिकन अध्ययन समिति ने कहा,'' मूर्ख मत बनिए। तालिबान सरकार में कुछ भी अधिक उदारवादी नहीं है। यह आतंकवादियों की, आतंकवादियों के द्वारा और आतंकवादियों के लिए सरकार है।'' यह समिति प्रतिनिधि सभा में विपक्षियों का सबसे बड़ा 'कॉकस' है और जिम बैंक्स इसके प्रमुख हैं।

सांसद टिम बुचेट ने कहा,'' तालिबान के नए मंत्रिमंडल में ग्वांनतेनामो बे जेल के कैदी, आतंकवादी और अलकायदा तथा हक्कानी नेटवर्क जैसे आतंकवादी संगठनों से ताल्लुक रखने वाले अन्य लोग शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि तालिबान सरकार चलाने के अपने तरीकों और कट्टरपंथी मान्यताओं को त्यागने का कोई इरादा नहीं रखते और बाइडन प्रशासन ''अमेरिकी नागरिकों तथा उसके सहयोगियों को सुरक्षित रखने के लिए उन पर बेवकूफों की तरह भरोसा कर रहे हैं।'' बुचेट ने कहा,'' राष्ट्रपति बाइडन को कुछ हिम्मत दिखानी चाहिए और तालिबान को यह जता देना चाहिए वे अमेरिकियों को खतरे में नहीं डाल सकते और न ही किसी आतंकवादी घटना को अंजाम दे सकते हैं, अन्यथा उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।''

रिपब्लिकन सांसद ने कहा,'' यह आतंकवादियों की, आतंकवादियों के द्वारा और आतंकवादियों के लिए सरकार है। '' वहीं सांसद बेन सासे ने कहा,'' राष्ट्रपति बाइडन पता नहीं किस मुगालते में हैं कि तालिबान दयालु हो गया है और सुधर गया है। यह सब बकवास है।'' सासे खुफिया मामलों पर संसद की प्रवर समिति के सदस्य हैं। उन्होंने कहा,'' हक्कानी तालिबान का नया गृह मंत्री है।'' सांसद क्लैडिया टेनी ने कहा कि यह एक धर्मशासित सरकार है। वहीं सांसद सकॉट फ्रैंकलिन ने ट्वीट किया,'' नया तालिबान पुराने तालिबान के ही जैसा है साथ ही वर्तमान में वांछित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी भी है।

तालिबान की अंतरिम सरकार ने जारी किया फरमान, अब प्रदर्शनकारियों पर चलाई जाएंगी गोलियां

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान की नई सरकार का गठन हो गया है। इसी के साथ नई सरकार ने पहला फरमान जारी किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक नई सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने का आदेश जारी किया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने मंगलवार को मंत्रिमंडल की घोषणा की थी। जिसके मुताबिक मुल्ला हसन अखुंद तालिबानी सरकार के प्रधानमंत्री बने। जबकि मुल्ला बरादर को उप प्रधानमंत्री का पद मिला।

महिलाओं ने किया प्रदर्शन

काबुल में महिलाओं समेत सैकड़ों प्रदर्शनकारी ने मंगलवार को पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान तालिबान ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए गोलीबारी की थी। वहीं प्रदर्शन को कवर कर रहे कई अफगानी पत्रकारों को भी गिरफ्तार किया। दरअसल, काबुल में पाकिस्तानी दूतावास के सामने अफगानिस्तान के आंतरिक मामले में पाकिस्तान के कथित हस्तक्षेप के खिलाफ प्रदर्शन हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केंद्र ने उत्तर प्रदेश में पशुपालन, डेयरी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश में पशुपालन और डेयरी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की और राज्य सरकार से पशु पालक किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड को बढ़ावा देने को कहा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक समीक्षा बैठक में संजीव कुमार बालियान और एल मुरुगन भी शामिल हुए। दोनों मत्स्य, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री हैं।केन्द्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश के पशुपालन और डेयरी मंत्री के साथ यह समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान रूपाला ने राज्य में भविष्य की कार्य योजनाओं पर चर्चा की और ब्रीडर फार्म उद्यमों तथा चारा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों पर खास जोर देने के लिए कहा। उन्होंने मौजूदा पशु बीमा का और विस्तार करने तथा पशुपालक किसानों के लिए अभियान के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) को बढ़ावा देने की सलाह भी दी।

फिरोजाबाद में डेंगू का प्रकोप जारी, अब तक 55 लोगों की मौत

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में डेंगू का प्रकोप जारी है और यहां अब तक इस बीमारी से 55 लोगों की मौत हो चुकी है। चिकित्सा विभाग के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी दिनेश कुमार प्रेमी ने बुधवार को बताया कि पूरे जिले में अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें अधिकांश बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि बीमारी से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिले में पिछले तीन दिनों से डेंगू और वायरल से किसी की भी मौत नहीं हुई है। हालांकि अपुष्ट तौर पर शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू और वायरल से रोजाना औसतन पांच लोगों की मौत हो रही हैं। फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में डेंगू और वायरल के 171 नए मरीज भर्ती किए गए जबकि 160 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई है। इसके अनुसार, डेंगू के जो रैपिड टेस्ट किए गए हैं उनमें 342 में से 107 सैंपल पॉजिटिव आए हैं जबकि डेंगू के एलिसा टेस्ट में 172 पॉजीटिव एवं आईजीएम 257 में से 140 पॉजिटिव आए हैं। इसमें कहा गया है कि 140 टेस्ट कोविड-19 के भी किए गए जिसमें से कोई भी पॉजिटिव नहीं आया है। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने चार सदस्यों की एक समिति बनाई है जो अब तक हुई 55 मौतों के बारे में मृतकों के घर जाकर जानकारी एकत्र करेगी ताकि मौतों की वजह के प्रकार का पता लगाया जा सके।

गोवा भाजपा ने विधानसभा चुनाव में फडणवीस को प्रभारी बनाने पर जताई खुशी

पणजी। गोवा में भाजपा ने 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पार्टी का चुनाव प्रभारी नियुक्त किए जाने पर खुशी जताई है। गोवा भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता उरफान मुल्ला ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, यह बहुत अच्छा अहसास है कि देवेंद्र फडणवीस गोवा के लिए पार्टी के चुनाव प्रभारी होंगे। उनका अनुभव पार्टी को राज्य में बहुमत की सीटें जीतने में मदद करेगा। पूर्व भाजपा विधायक और प्रवक्ता सिद्धार्थ कुनकालिनकर ने भी ट्वीट किया, गोवा बीजेपी गोवा में आगामी विधानसभा चुनाव को देवेंद्र फडणवीस को प्रभारी के नियुक्ति का स्वागत करते हैं। हमें विश्वास है कि आपके कुशल मार्गदर्शन में, हम पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए लोगों के विश्वास को बनाए रखेंगे। 22 में 22 प्लस। कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को पिछले महीने गोवा चुनावों का अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक प्रभारी नियुक्त किया था। राज्य भर के राजनीतिक दल विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रहे हैं, जो 2022 की शुरूआत में होने वाले हैं।

तेलंगाना में भाजपा ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाने का किया वादा

हैदराबाद। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने वादा किया है कि अगर राज्य में सत्ता में आए तो पार्टी उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित कानून की तर्ज पर जनसंख्या नियंत्रण कानून लाएगी। संजय ने अपनी प्रजा संग्राम पदयात्रा के तहत संगारेड्डी जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह वादा किया। उन्होंने कहा, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष के रूप में, मैं घोषणा कर रहा हूं कि 2023 में भाजपा की सरकार बनेगी और हम जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाएंगे। संजय, जो लोकसभा के सदस्य भी हैं, ने कहा कि भाजपा की नीति है कि एक बच्चा आदर्श है और अधिकतम सीमा दो है। उत्तर प्रदेश ने दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को स्थानीय चुनाव लड़ने से रोकने के लिए जल्द ही एक कानून लाने का प्रस्ताव रखा। भाजपा नेता ने धर्म आधारित आरक्षण को लागू करने के लिए तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सरकार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि इससे कमजोर वर्गों के साथ घोर अन्याय हो रहा है।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद में हाथी के हमले में ग्रामीण की हुई मौत

छत्तीसगढ़। महासमुंद जिले के एक गांव में जंगली हाथी के हमले में एक बुजुर्ग ग्रामीण की मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। महासमुंद जिले के वन विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि जिले के सिरपुर क्षेत्र के अंतर्गत बंदोरा गांव के करीब हाथी के हमले में नारायण साहू (60)की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि विभाग को जानकारी मिली है कि अचानकपुर गांव निवासी नारायण साहू मंगलवार को एक अन्य व्यक्ति राजकुमार के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर झलप गांव गये थे और देर शाम वापसी के दौरान बंदोरा गांव के करीब उनका सामना हाथी से हो गया। उन्होंने बताया कि हाथी के सामने आते ही राजकुमार वहां से भाग गया लेकिन इस दौरान हाथी ने नारायण साहू को कुचलकर मार डाला।

केरल के एक परिवार के लिए निपाह का मतलब 'मौत', अब भी डर के साये में

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

तीन साल पहले जब सोशल मीडिया पर यह चर्चा होने लगी कि किसी घातक संक्रामक बीमारी ने उनके 'एक्का' (बड़े भाई) की जान ले ली तो मोहम्मद मुथालिब ने अपने परिवार के बारे में ''फर्जी खबर'' पर आक्रोश महसूस किया क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में कभी भी ''निपाह'' बीमारी के बारे में नहीं सुना था। जब तक 19 वर्षीय छात्र मुथालिब को इस संक्रामक बीमारी की गंभीरता का पता चलता तब तक यह वायरस उनके परिवार के चार सदस्यों की जान ले चुका था। इस आघात से मुथालिब और उनकी मां मरियम्मा को गहरा सदमा पहुंचा।

केरल एक बार फिर निपाह वायरस के संक्रमण की चपेट में है और हाल में इस बीमारी से 12 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। मुथालिब ने 2018 में अपने परिवार पर आई विपदा को याद करते हुए कहा कि यह रोग उनके परिवार के लिए मौत, डर और सामाजिक बहिष्कार का कारण बना। मुथालिब ने कहा, ''ऐसे कई लोग थे जो हमसे बात करने से डर रहे थे, घटना के एक साल गुजर जाने के बाद भी इस बीमारी ने हमारे परिवार को काफी प्रभावित किया। मैं किसी पर दोष

नहीं मढ़ रहा... जिस डर और तनाव सब गुजरे होंगे, उन्हें मैं समझ सकता हूं।'' उत्तरी कोझिकोड के गांव सूप्पीक्काडा के निवासी मुथालिब ने निपाह वायरस के संक्रमण के कारण अपने पिता, दो भाइयों और बुआ को खो दिया। केरल 2018 में पहली बार इस वायरस के संक्रमण से प्रभावित हुआ। संक्रमण से मरने वालों में शामिल, मुथालिब के भाइयों में से एक मोहम्मद साबिथ राज्य में निपाह से जान गंवाने वाले पहले व्यक्ति थे।

हालांकि, शुरू में संक्रमण के कारण साबिथ की मौत के कारणों की पहचान नहीं हो पाई थी, लेकिन परिवार के एक अन्य युवक मोहम्मद सलीह की अचानक मौत ने डॉक्टरों के बीच संदेह पैदा कर दिया और नमूनों की जांच ने राज्य में वायरल संक्रमण की मौजूदगी की पुष्टि की।अस्पताल में भर्ती मुथालिब की बुआ मरियम ने भी बाद में निपाह के कारण दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने शुरू में मुथालिब के 60 वर्षीय पिता मूसा मुसलियार की जान बच जाने को लेकर उम्मीद जताई थी, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ती गई और आखिरकार उन्होंने दम तोड़ दिया। परिवार की एक अन्य महिला सदस्य भी संक्रमित हो गई थीं, लेकिन एर्नाकुलम जिले के एक बड़े अस्पताल में ले जाने के बाद उनकी जान बच गई।

मुथालिब ने कहा, ''उन दिनों मेरे परिवार को जो सदमा लगा था, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। पांच सदस्य इस वायरस से संक्रमित हुए थे और उनमें से चार की जान चली गयी।'' पिछले हफ्ते कोझिकोड में 12 वर्षीय लड़के ने निपाह वायरस के संक्रमण से दम तोड़ दिया जिसके बाद केरल में फिर से इस घातक बीमारी की वापसी का संकेत मिला है। फिलहाल, बच्चे के सीधे और परोक्ष रूप से संपर्क में आए 257 लोगों की सूची तैयार की गई है। इनमें से 141 स्वास्थ्यकर्मी हैं और उनमें से किसी में भी कोई गंभीर लक्षण नहीं हैं।

पटना में तेजस्वी और चिराग की मुलाकात, गठबंधन के सवाल पर दिया यह जवाब

पटना (एजेंसी)।

लोक जनशक्ति पार्टी में मचे घमासान के बाद आज पटना में चिराग पासवान ने राजद नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद कई कयासों

को बल मिलने लगा है। हालांकि मुलाकात को लेकर पूछे गए सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि मैं तेजस्वी यादव से मिला हूं। उन्हें 12 सितंबर को होने वाली पिता की बरखी में आमंत्रित करने के लिए आया था। मैं कल दिल्ली में लालू प्रसाद यादव से ही मिलूंगा।

चिराग ने आगे कहा कि मेरा उद्देश्य उन सभी को श्रद्धांजलि देने के लिए आमंत्रित करना है जिन्होंने मेरे पिता के साथ काम किया है। मैं मुख्यमंत्री से भी मिल सकता हूं। वहीं, गठबंधन को लेकर जब तेजस्वी यादव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हम वही कह रहे जो कहना चाहते हैं। लालू जी ने जो कहा था उसके बाद हम कुछ नहीं कह सकते।

आपको बता दें कि बिहार में चिराग पासवान और तेजस्वी यादव के गठबंधन के सवाल पर लालू यादव ने कहा था कि लोजपा में जो कुछ भी हुआ वह सही नहीं है। चिराग पासवान आज भी लोजपा के नेता बने हुए हैं। मैं चाहता हूं कि तेजस्वी और चिराग साथ आएं। बिहार में एनडीए की जीत को लेकर लालू यादव ने कहा कि हम बिहार में सरकार बनाने वाले थे। मेरे जेल में होने के बावजूद मेरे बेटे तेजस्वी यादव ने सत्ताधारी गठबंधन से अकेले लड़ाई लड़ी। हमें धोखे में रखा गया और 10-15 वोटों से हराया गया।

अगले 20 वर्षों में करीब 350 विमानों की खरीद पर कर रहे हैं विचार: वायुसेना प्रमुख

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय वायुसेना अगले दो दशकों में करीब 350 विमानों की खरीद पर विचार कर रही है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय एयरोस्पेस क्षेत्र विषय पर एक सम्मेलन में चीफ ऑफ एयर स्टाफ ने अपने संबोधन में चीन से मिल रही चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय वायुसेना की संपूर्ण ताकत को और मजबूती देने के लिए विषम क्षमताओं को विकसित करने की आवश्यकता के बारे में भी बात की।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, ÷उत्तरी पड़ोसी को देखते हुए, हमारे पास आला दर्जे की प्रौद्योगिकियां होनी चाहिए जिन्हें सुरक्षा कारणों से हमारे अपने उद्योग द्वारा देश में ही बनाया जाना चाहिए।÷ विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने पर जोर देते हुए एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने कहा कि भारतीय वायुसेना अगले दो दशकों में देश से ही लगभग 350 विमान खरीदने पर विचार कर रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह एक मोटा-मोटा अनुमान है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि तेजस हल्के लड़ाकू विमान परियोजना ने भारत में एयरोस्पेस उद्योग में भरोसा पैदा किया है और यह भी विश्वास जगाया है कि इसके और विकसित होने की असीम संभावनाएं हैं।

राजनीतिक फायदे के लिए समाज को बांट रहे हैं ओवैसी: बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीजेपी ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर राजनीतिक फायदे के लिए समाज को बांटने का आरोप लगाया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि ओवैसी का समाज को विभाजित करने और सांप्रदायिक भावना को बढ़ावा देकर हिंदू-मुस्लिम एकता को तोड़ने का इतिहास रहा है। अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों पर नजर रखते हुए, वह राजनीतिक लाभ लेने के लिए सांप्रदायिक बयान दे रहे हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत करता है। गंगा-जमुनी तहजीब देश में सदियों से एक परंपरा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है और हम भागवत जी के इस कथन से पूरी तरह सहमत हैं कि हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए एक जैसा है। सिद्दीकी ने कहा कि भारत में रहने वाले सभी मुसलमानों के पूर्वज हिंदू थे और यह हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म की राजनीति करने वाले ओवैसी जैसे लोग इस तथ्य को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं और अपने राजनीतिक लाभ के लिए समाज में जहर घोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओवैसी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए मुसलमानों के अधिकारों की बात कर रहे हैं, लेकिन हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करने वाले उनके परिवार ने कभी भी उनके उत्थान और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए काम नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक हाथ में कुरान और दूसरे में लैपटॉप देने की बात कर रहे हैं, वहीं ओवैसी जैसे लोग समाज को बांट रहे हैं। सिद्दीकी ने कहा कि प्रधानमंत्री समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने और उन्हें मुख्यधारा में लाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में मतदाता उन्हें करारा जवाब देंगे। ओवैसी ने मंगलवार को अयोध्या से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने पार्टी अभियान की शुरूआत की।

फारुक अब्दुल्ला ने जताई उम्मीद, कहा- अफगानिस्तान में तालिबान अच्छी तरह से करेगा शासन

श्रीनगर। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार का गठन हो गया है। इसी बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारुख अब्दुल्ला का बयान सामने आया। उन्होंने उम्मीद जताई कि तालिबान इस्लामी उसूलों का पालन करते हुए अच्छी सरकार चलाएं।

सभी के साथ करें इंसाफ !

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि अफगानिस्तान एक अलग देश है। जो वहां पर आए हैं उन्हें अब उस मुल्क को संभालना है। उम्मीद करूंगा कि वे सभी से इंसाफ करेंगे और इस्लामी उसूल पर अच्छी हूकूमत चलाएंगे। उन्हें हर मुल्क के साथ दोस्ताना ताल्लुक पैदा करने की कोशिश करनी चाहिए।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान में तालिबान ने नई सरकार का गठन किया है। जिसमें मुल्ला हसन अखुंद को सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया। जबकि मुल्ला बरादर और अब्दुल सलाम हनाफी को उप प्रधानमंत्री का पद मिला। नई सरकार की कैबिनेट में हक्कानी ग्रुप के 4 कमांडरों को भी जगह मिली। हालांकि तालिबान का असल चेहरा भी सामने आ गया।

भाजपा ने साधा निशाना

तालिबान ने सरकार गठन में महिलाओं और अफगानियों को शामिल करने की बात कही थी लेकिन किसी को भी जगह नहीं दी गई। वहीं, फारुख अब्दुल्ला की टिप्पणी पर भाजपा ने आपत्ति जताई है। भाजपा नेता निर्मल सिंह ने कहा कि तालिबान महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर हमला कर रहा है लेकिन फारुक अब्दुल्ला ने उनका पक्ष ले रहे हैं।

केंद्र ने न्यायालय को बताया, सशस्त्र बलों ने एनडीए में महिलाओं की भर्ती का फैसला किया है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि सशस्त्र बलों ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं की भर्ती करने का फैसला किया है। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ को बताया कि सरकार के साथ ही सशस्त्र बलों के उच्च स्तर पर फैसला लिया गया है कि एनडीए के जरिए स्थायी कमीशन के लिए महिलाओं की भी भर्ती की जाएगी। भाटी ने हलफनामे के जरिए जानकारी देने के लिए न्यायालय की अनुमति मांगी। न्यायालय ने कहा कि वह समय-समय पर प्राधिकारियों को खुद इसे करने के लिए प्रेरित करता रहा है और उसका मानना है कि वे इसे करने के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त हैं। पीठ ने कहा, ''ऐसी राय है कि जब कुछ नहीं होता तो अदालत आगे आती है। आपको आश्वस्त कर दूं कि अदालत को हस्तक्षेप करने में खुशी नहीं होती और हम चाहेंगे कि सशस्त्र बल खुद यह करें। वे देश के सम्मानित बल हैं लेकिन लैंगिक समानता पर उन्हें और करने की आवश्यकता है और कभी-कभी प्रतिरोध अच्छा साबित नहीं होता।'' पीठ ने कहा, ''मैं खुश हूं कि सशस्त्र बलों के प्रमुख ने एक सकारात्मक फैसला लिया है। रिकॉर्ड में रखिए, हम मामले पर सुनवाई करेंगे। हम इस रुख से खुश हैं।

हमें अगले हफ्ते मामले पर सुनवाई करने दीजिए। सुधार एक दिन में नहीं होते। हम इससे अवगतहैं।'' अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को बताया कि ऐसा विचार पहले ही चल रहा था लेकिन वह केवल शुरुआती स्तर पर था। मामले पर सुनवाई के लिए दो हफ्ते बाद की तारीख तय की गयी है। उच्चतम न्यायालय वकील कुश कालरा की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इस याचिका मेंप्रतिष्ठित एनडीए में लैंगिक आधार पर योग्य महिलाओं को भर्ती नहीं करने का मुद्दा उठाते हुये इसे समानता के मौलिक अधिकार का कथित तौर पर उल्लंघन बताया गया था।

हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा पाकिस्तान, अभद्र भाषा के लिए यूएन फोरम का करता है इस्तेमाल: भारत

नई दिल्ली/संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने पाकिस्तान पर हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने और अभद्र भाषा के लिए शांति की संस्कृति पर संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय बैठक का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन में प्रथम सचिव विदिशा मैत्रा ने मंगलवार को महासभा को बताया, हमने पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल द्वारा भारत के खिलाफ अभद्र भाषा के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंच का फायदा उठाने के लिए आज एक और प्रयास देखा है, भले ही वह घर और अपनी सीमाओं पर हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा हो। पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम की टिप्पणी का एक निष्क्रिय संदर्भ देते हुए उन्होंने शांति की संस्कृति पर उच्च स्तरीय मंच को अपने संबोधन में कहा, हम ऐसे सभी प्रयासों को खारिज और निंदा करते हैं। अकरम ने अपने नौ पैराग्राफ के भाषण के छह पैराग्राफ भारत और आरएसएस को समर्पित किए और महासभा को हिंदुत्व का सामना करने के लिए कहा है।

हालांकि अक्सर संयुक्त राष्ट्र में भाषण इस विषय से हटकर होते हैं, अकरम का संबोधन इस मायने में असामान्य था कि इसने लगभग पूरी तरह से एक सदस्य देश में एक संगठन को इसके लिए एक अपशब्द का उपयोग करके लक्षित किया। पाकिस्तान की पहचान किए बिना, मैत्रा ने वहां से निकलने वाले धर्म आधारित आतंकवाद की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आतंकवाद, जो असहिष्णुता और हिंसा की अभिव्यक्ति है, सभी धर्मों और संस्कृतियों का विरोधी है। दुनिया को चिंतित होना चाहिए। आतंकवादियों द्वारा जो इन कृत्यों को सही ठहराने के लिए धर्म का उपयोग करते हैं और जो इस खोज में उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और सदस्य कहते हैं कि ऐसे मुद्दों पर चयन करने से बचना चाहिए जो शांति की संस्कृति में बाधा डालते हैं। उन्होंने कहा, भारत संयुक्त राष्ट्र में विशेष रूप से धर्म के मुद्दे पर चर्चा का आधार बनाने के लिए निष्पक्षता, गैर-चयनात्मकता और निष्पक्षता के सिद्धांतों को लागू करने के अपने आह्वान को दोहराता है। उन्होंने 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के भाषण को याद किया जिसमें उन्होंने सभी धर्मों की महानता को स्वीकार करने के भारत के सभ्यतागत लोकाचार पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, भारत को अनेकता में एकता का देश कहा जाता है। बहुलवाद की हमारी अवधारणा सर्व धर्म संभव के हमारे प्राचीन लोकाचार पर आधारित है जिसका मतलब है सभी धर्मों के लिए समान सम्मान। हालांकि कोविड -19 महामारी ने मानवता की अन्योन्याश्रयता को सामने लाया, लेकिन असहिष्णुता, हिंसा और आतंकवाद में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, हम इन्फोडेमिक चुनौती का सामना कर रहे हैं, जो नफरत फैलाने वाले भाषणों में वृद्धि और समुदायों के भीतर नफरत पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन इंफोडेमिक को एक बीमारी के प्रकोप के दौरान डिजिटल और भौतिक वातावरण में झूठी या भ्रामक जानकारी सहित बहुत अधिक जानकारी के रूप में परिभाषित करता है, जो स्वास्थ्य अधिकारियों के अविश्वास का कारण बनता है और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया को कमजोर करता है और बीमारी के प्रकोप को तेज या लंबा कर सकता है। मैत्रा ने याद किया कि पिछले साल जून में भारत ने 12 देशों के साथ कोविड-19 के संदर्भ में इन्फोडेमिक पर क्रॉस-रीजनल स्टेटमेंट को सह-प्रायोजित किया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिक्षण विभाग की लापरवाही से एक ही जगह पर कई नाम के अलग-अलग स्कुल

क्रांति समय दैनिक समाचार

सुरत, शिक्षा को वेपार बना कर खुले आम कर रहे भ्रष्टाचार के समाने किसी विभाग का कोई भी अधिकारी कार्यवाही न कर निति-नियमों के नाम पर स्कुल वाले को लुट रहे है? की शिक्षा और स्कुल मनेजमेंट वेपार बना कर लोगों को लुट रहे हैं 2017 से फीनियमन समिति के कार्यकी अगर समीक्षा किया

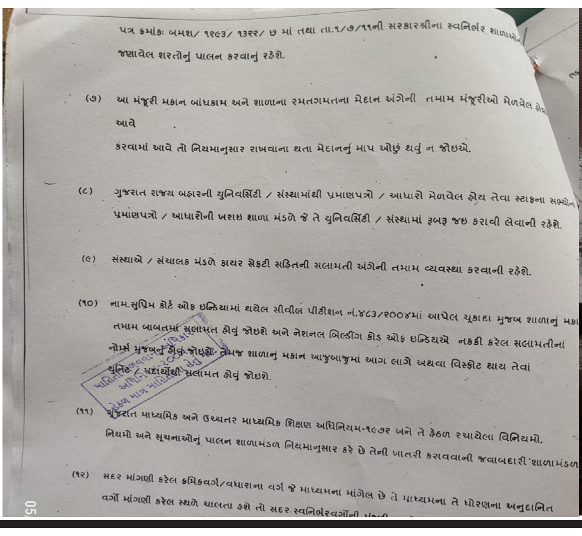

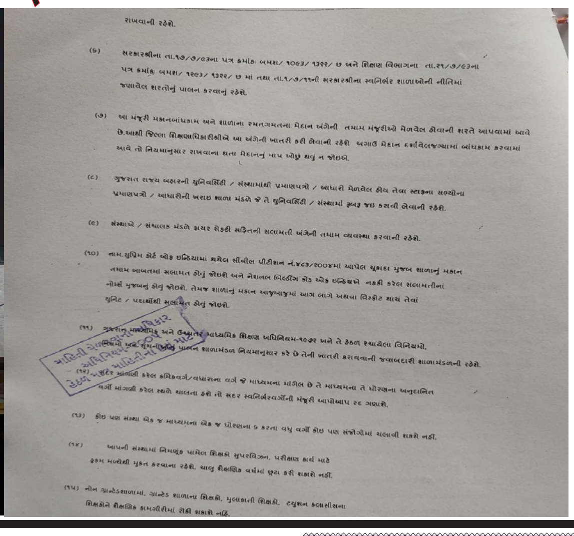

जाये तो सिर्फ नाम मात्र निति -नियमों का पालन कुछ ही स्कुल कर रहे हैं, अन्य स्कुल की अवैध रूप से चलाने की जानकारी होने के बाद भी अधिकारी किसी प्रकार की कोई भी कार्यवाही नही कर रहे है, अनेक स्कुल में फायर सेफ़्टी भी न होने के बाद अवैध रूप से फर्जीवाड़ा से फायर N.O.C. रिकोर्ड पर बना दिया हैं

आयकर विभाग की समभाव ग्रुप समेत 24 ठिकानों पर रेड

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,आयकर विभाग ने शहर के समभाव ग्रुप समेत 6 बड़े बिल्डरों के यहां आज छापा मारा है। आयकर विभाग के 150 से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों की टीम बिल्डरों के 24 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन कर रही है। जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग ने सुबह 4 बजे एक साथ कई ठिकानों पर रेड की। इस कार्यवाही में अहमदाबाद के अलावा राजकोट और सूरत की टीम भी शामिल है। सुबह सबेरे अचानक हुई छापेमारी के चलते शहर के बिल्डरों में हड़कम्प मच गया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के समभाव ग्रुप, धर्मदेव ग्रुप, इस्कोन बिल्डर ग्रुप, के. मेहता ग्रुप, योगेश पुजारा ग्रुप तथा दीपक ठक्कर सहित बिल्डर ग्रुप पर छापा मारा गया है।

आयकर विभाग की टीम सुबह 4 बजे अलग-अलग टीमों के साथ बिल्डर के घर, आफिस और अन्य ठिकानों पर छापे मारे की कार्रवाई शुरुकी। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद में आयकर विभाग द्वारा मारे गये छापे के दौरान भी करोडों के अवैध लेने देने का पर्दफाश हुआ है। हालाकि अभी तक आकंडे जारी नहीं किये गये है। यह सर्च आपरेशन कितने घंटे या दिन तक चलेगा इस संबंध में अभी कोई जानकारी नहीं है। आयकर के छापे के बाद बिल्डर्स ग्रुप में खलबली मच गई है।

शिक्षकों के आगे झुकी सरकार, 8 घंटे ड्यूटी का परिपत्र रद्द किया

क्रांति समय दैनिक समाचार

गांधीनगर,गुजरातभर में शिक्षकों के विरोध को देखते हुए आखिरकार सरकार शिक्षकों के लिए 8 घंटें की ड्यूटी से संबंधित परिपत्र रद्द कर दिया है। शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने कहा कि

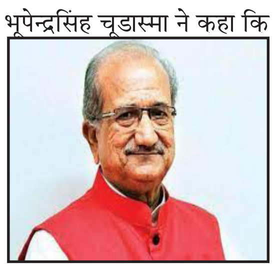

शिक्षक पहले के मुताबिक ही काम करेंगे। बता दें सरकार ने शिक्षकों के काम का समय 6 के बजे 8 घंटे करने का फैसला किया था और इसका परिपत्र जारी किया था। राज्य सरकार के इस फैसले का कड़ा विरोध किया था। शिक्षक योग्यता सर्वेक्षण के बहिष्कार के बाद राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ ने भी शिक्षकों के काम के समय को लेकर विरोध किया था। राष्ट्रीय शिक्षक महासंघकी गुजरात महिला विभाग द्वारा शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव, निदेशक को इस संदर्भ में ज्ञापन देकर काम का समय 8 घंटे के बजाए 6 घंटे करने की पेशकश की थी। मांग स्वीकार नहीं करने पर आगामी समय में राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ द्वारा गुजरात में शिक्षकों के हित में आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। शिक्षकों की नाराजगी को देखते हुए आखिरकार गुजरात सरकार ने शिक्षकों के काम के समय को लेकर जारी परिपत्र रद्द कर दिया है।

स्पा की आड में चल रहे देह व्यापार का पर्दाफाश, पुलिस ने रेड कर शख्स को किया गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार

बनासकांठा,जिले के थराद में पुलिस ने स्पा की आड में चल रहे देह व्यापार के अड्डे पर छापा मारकर दो युवतियों को मुक्त करा लिया। साथ ही स्पा से एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। जबकि स्पा मैनेजर घटनास्थल से फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले के थराद स्थित बोम्बे मार्केट स्थित ए वन फैमिली स्पा में देह व्यापार चलता होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के आधार पर बनासकांठा की सहायक पुलिस अधीक्षक पूजा यादव के नेतृत्व में पुलिस ने आज एक डमी ग्राहक ए वन फैमिली स्पा में भेजा। स्पा में अन्य राज्यों से युवतियों को बुलाकर देह व्यापार कराए जाने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने स्पा में छापा मारा। पुलिस की रेड के दौरान स्पा का मैनेजर वहां से भाग निकला। पुलिस ने स्पा से मेहसाणा के ऊंझा निवासी मेहुल पटेल नामक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से पुलिस ने रु 7500 नकद और मोबाइल बरामद किया है। एएसपी पूजा यादव के मुताबिक ए वन स्पा में अन्य राज्यों से युवतियों को बुलाकर उनसे देह व्यापार करवाया जाता था। ए वन स्पा से दो युवतियों को मुक्त कराया गया है। ए वन स्पा का मैनेजर फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

गांधीनगर कैपिटल स्टेशन पर कुछ और महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव प्रदान करने का रेल प्रशासन प्रस्ताव

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,रेल प्रशासन द्वारा गांधीनगर कैपिटल स्टेशन का आमजन द्वारा अधिकाधिक उपयोग करने के उद्देश्य से कुछ और महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव गांधीनगर स्टेशन पर देने का प्रस्ताव है। इसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। पूर्व में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा गांधीनगर स्टेशन से वाराणसी एवं वरेठा के लिये ट्रेनों की शुरूआत की जा चुकी है। वर्तमान में गांधीनगर स्टेशन से होकर 3 नियमित पैसेंजर ट्रेनें, 2 एक्सप्रेस, 2 साप्ताहिक एवं एक गरीबरथ सप्ताह में 4 दिन चलाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल सकारात्मक रूपांतरण के जरिये प्रतिदिन सफलताएं अर्जित कर मील के पत्थरों को पार कर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसी क्रम में गांधीनगर केपिटल में एक विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन को विकसित किया गया है। स्टेशन के पुनर्विकास के लिए गुजरात सरकार और भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम (IRSDC) के साथ गांधीनगर रेलवे एवं शहरी विकास (GARUD) नामक एक संयुक्त उद्यम SPV का गठन किया गया था। गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 71.50 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

सेवा उन्मुख विशेषताएँ

- लैंडस्केप क्षेत्र के से घिरा हुआ अलग-अलग प्रवेश और निकास
- 163 कारों, 40 ऑटो और 120 दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा
- 2 सबवे के माध्यम से आपस में कनेक्टेड 3 प्लेटफॉर्म
- प्लेटफॉर्म पर 480 यात्रियों के बैठने की क्षमता वाला वेटिंग एरिया
- एक बड़े क्षेत्र में टिकटिंग की सुविधा आदि के साथ डबल हाइट प्रवेश लॉबी
- दिव्यांग फ्रेंडली विशेष टिकट काउंटर, रैंप, लिफ्ट, समर्पित पार्किंग स्थान
- 2 एस्केलेटर और 3 लिफ्टें
- सम्पूर्ण स्टेशन क्षेत्र में निर्बाध वाई-फाई कनेक्टिविटी।

जनोन्मुख विशेषताएँ

- सर्व धर्म प्रार्थना कक्ष
- सेपरेट बेबी फीडिंग रूम
- 40 लोगों के बैठने की क्षमता वाला केन्द्रीयकृत वातानुकूलित वेटिंग लाउंज
- स्टेशन परिसर का क्षेत्रफल 7096 वर्गमीटर है, जिसका भविष्य में उपयोग मल्टीप्लेक्स, शॉपिंग सेंटर, फूड एंड बेवरेज कोर्ट आदि के व्यवसायीकरण के लिए किया जा सकता है।
- एलईडी वॉल डिस्प्ले लाउंज सहित आर्ट गैलरी प्रौद्योगिकी
- सम्पूर्ण इमारत ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग सुविधाओं के साथ डिजाइन की गई है एवं रेटिंग के अनुसार स्टेशन पर सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इस बिल्डिंग को ASSOCHAM द्वारा प्रमाणित GEM 5 सस्टेनेबिलिटी स्टैंडर्ड ग्रीन प्रमाणन प्राप्त है।

- बिल्डिंग के सिविल स्ट्रक्चर को 120 साल तक सस्टेन रहने के अनुसार डिजाइन किया गया है।
- निर्माण कार्य में 1,55,900 घनमीटर कंक्रीट एवं 26,500 MT स्टील का उपयोग किया गया है।
- लम्बे समय तक उपयोग में आने के लिए आईपी कोटिंग के साथ रिइनफोर्समेंट स्टील का उपयोग किया गया है।
- सभी विद्युत/एचवीएसी प्रणालियों को रेगुलेट करने तथा ग्रीन रेटिंग के निष्पादन के मूल्यांकन के लिए आवश्यक डेटा रिकॉर्ड करने हेतु स्टेशन पर एमईपीएफ सिस्टम नियंत्रित इंटेलिजेंट बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम।
- एस्केलेटर के बगल में परिसर की तरफ वर्टिकल ग्रीन वॉल
- संरक्षा विशेषताएं: प्लेटफॉर्म सहित पूरे स्टेशन पर फायर हाइड्रेंट सिस्टम और एक्सटिंग्विशर की सुविधा। आगमन और प्रस्थान क्षेत्रों तथा सबवे को आग का पता लगाने और आग बुझाने वाली प्रणाली द्वारा पूरी तरह संरक्षित किया गया है।

प्रकाश व्यवस्था

- अत्याधुनिक बाहरी अग्रभाग में 32 थीमों सहित प्रतिदिन थीम आधारित प्रकाश व्यवस्था।

अनूठी विशेषताएँ

- कम्पन्न एवं शोर-शराबे को इंसुलेट करती हुई लाइव रनिंग रेलवे ट्रैक के ऊपर बनी विशेष होटल बिल्डिंग।
- अत्याधुनिक बाहरी अग्रभाग।
- ऑल वेदर प्रूफ KALZIP एल्युमिनियम शीट सहित 105 मीटर स्पैन का यूनिक कॉलम फ्री स्लीक एवं किफायती स्पेस फ्रेम प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को धूप/बारिश से बचाव करता है।
- स्टेशन की छत पीछे से बंधी हुई आर्च के आकार की है, ताकि लोड से होने वाली प्रतिक्रिया का प्रतिकार जुड़ावों (Ties) की प्रतिक्रियाओं से हो। स्पेस फ्रेम के फाउंडेशन को नकारात्मक प्रतिक्रिया से बचने के लिए ऊर्ध्वाधर भार को जोड़ते प्लांटर्स उपलब्ध कराये गये हैं।
- 'लाइव स्टेशन' पर 'सात रेलवे ट्रैक' को कवर करते हुए फ्रेम लॉन्च किया गया है।
- निर्माण के दौरान साइट पर उत्पन्न हुए मलबे को आसपास के निचले इलाकों के क्षेत्रों, सड़कों को भरने में पुन: उपयोग किया गया है।
- वर्टिकल फुटप्रिंट

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटो,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com